UPHIN/2011/39718

(डिजिटल संस्करण)

बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

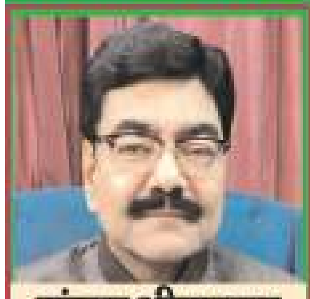

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत वेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-146 | कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में | उरई (जालौन) शुक्रवार 08 मई 2026 | youngbharatE-paper.com

5 'ब्रह्मास्त्र' से यूपी फिर जीतेगी बीजेपी! बंगाल वाला फॉर्मूला कैसे मास्टरस्ट्रोक? यूं समझें

संजय श्रीवास्तव

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊः पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में अपार सफलता मिलने से उत्साहित बीजेपी उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में भी वही रणनीति अपनाएगी जो उसने बंगाल में अपनाई थी। बीजेपी यूपी में विधानसभा चुनाव से पहले जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत और सक्रिय करने के बड़े इलेक्शन प्लान पर काम कर रही है। उत्तर प्रदेश में बीजेपी अपनी इस योजना को 1.6 लाख बूथ स्तरीय समितियों कि जरिए अंजाम देगी। बीजेपी ने बंगाल विधानसभा चुनाव में लगभग 80,000 बूथों को मैनेज करने की बेहद सटीक रणनीति अपनाई थी। उसने इस रणनीति के दम पर बंगाल में ऐतिहासिक जीत दर्ज की। अब वह यूपी में इसी रणनीति को दोहराना चाहती है।

सुनील बंसल की सटीक रणनीति

बंगाल में बीजेपी का प्लान पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और माहिर रणनीतिकार सुनील बंसल ने तैयार किया था। सुनील बंसल को सन 2017 में यूपी विधानसभा चुनावों में बीजेपी की मिली जीत का मुख्य सूत्रधार माना जाता है। बंसल उस समय पार्टी के यूपी के प्रभारी थे। अमित शाह ने उनके साथ मिलकर चुनाव की रणनीति बनाई थी।

बूथ स्तर के लिए बनेगी योजना

बीजेपी सूत्रों के मुताबिक, पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई बूथ स्तर की कमेटियों के सत्यापन के काम में जुटी है। इन कमेटियों का हाल ही में संगठनात्मक फेरबदल के तहत पुनर्गठन किया गया था। यूपी बीजेपी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि पार्टी आलाकमान से हरी झंडी मिलने के बाद बूथ स्तर की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी

विपक्ष को बेनकाब करने की तैयारी

सूत्रों के अनुसार, इस योजना में पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ की केंद्र व राज्य सरकारों की उपलब्धियों को प्रचारित किया जाएगा। दूसरी तरफ विपक्ष, खास तौर पर समाजवादी पार्टी और उसकी सहयोगी कांग्रेस की कमियों को बेनकाब किया जाएगा। बीजेपी महिलाओं के बीच अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए विपक्ष की महिला विरोधी मंशा उजागर करेगी। यानी वह लोगों को बताएगी कि विपक्ष ने कैसे महिलाओं को आरक्षण देने वाले संवैधानिक विधेयक को रोकने की कोशिश की थी।

एईसीयूई के जवाब में सरकारों के कामकाज की तुलना एईसीयूई

इसके अलावा पार्टी विपक्ष के 'पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक' (एईसीयूई) वाले नैरेटिव का मुकाबला करने पर भी खास ध्यान देने की योजना बना रही है। इस नैरेटिव ने उत्तर प्रदेश में साल 2024 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी को नुकसान पहुंचाया था। सूत्रों ने बताया कि ऐसा करने के लिए बीजेपी एक दोहरी रणनीति अपनाएगी, जिसमें योगी सरकार के कामकाज की तुलना अखिलेश यादव की पिछली सरकार के कामकाज से की जाएगी।

बूथ कमेटियों का होगा सत्यापन

उत्तर प्रदेश में चुनावी रणनीति बनाने वाली टीम से जुड़े राज्य के एक वरिष्ठ बीजेपी पदाधिकारी ने कहा, 'यह सब कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने और सरकार व पार्टी की विचारधारा के बारे में लोगों की सोच को मजबूत करने के लिए है।' सूत्रों ने बताया कि बूथ समितियों का सत्यापन पार्टी की सिर्फ एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है, इसका मकसद निष्क्रिय कार्यकर्ताओं को हटाना, संगठन की कमियों को दूर करना और जमीनी स्तर पर वफादारी व कार्यकुशलता सुनिश्चित करना है।

जमीनी स्तर पर पार्टी की मजबूती पर जोर

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि पार्टी अपनी पुरानी और जानी पहचानी रणनीति पर लौट रही है। इसमें पार्टी के केंद्रीक्रत संदेशों के प्रसार के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया जाता है। बूथ स्तर की कमेटियों पर खास ध्यान देने को यूपी जैसे जटिल राज्य में 'आखिरी छोर तक' राजनीतिक पहुंच को प्राथमिकता देने की एक कोशिश माना जा रहा है। बीजेपी के एक वरिष्ठ सदस्य ने बताया कि इससे पार्टी को ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में स्थानीय नैरेटिव पर नियंत्रण रखने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा इससे पार्टी की चुनावी मशीनरी को और मजबूती मिलेगी और ज्यादा से ज्यादा वोटरों को चुनाव प्रक्रिया से जोड़ने में भी मदद मिलेगी।

राजा कोलंदर : उत्तर प्रदेश का कुख्यात नरभक्षी

अपराध की दुनिया में कई सीरियल किलर्स का नाम लिया जाता है, लेकिन उत्तर प्रदेश का राजा कोलंदर एक ऐसा नाम है जो आज भी लोगों को डराता है। वह केवल एक हत्यारा नहीं था, बल्कि एक नरभक्षी था जिसने क्रूरता की सभी सीमाएं पार कर दी थीं। राजा कोलंदर, जिसे राम निरंजन के नाम से भी जाना जाता है, की कहानी किसी डरावनी फिल्म से कम नहीं है। वह अपने शिकार के खोपड़ियों को सजाता था और उनके दिमाग का सूप बनाकर पीता था।

राजा कोलंदर की दरिंदगी का सच साल 2000 में सामने आया। लखनऊ के एक समाचार पत्र के पत्रकार मनोज कुमार सिंह अचानक गायब हो गए। पुलिस ने जब जांच शुरू की, तो मनोज के मोबाइल की लोकेशन इलाहाबाद के पास एक व्यक्ति के पास मिली, जिसका नाम राम निरंजन था। जब पुलिस उसके फार्महाउस पर पहुंची, तो वहां का दृश्य देखकर अनुभवी पुलिसकर्मियों के भी पसीने छूट गए। वहां से कई नरकंकाल और इंसानी खोपड़ियां मिलीं। राजा कोलंदर की गिरफ्तारी के बाद जो खुलासे हुए, वे चौंकाने वाले थे। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने शिकार के सिर को धड़ से अलग कर देता था। वह खोपड़ी के ऊपरी हिस्से को काटकर दिमाग को निकालता और उसे उबालता था। उसका मानना था कि किसी विद्वान के दिमाग का सूप पीने से उसकी खुद की बुद्धि बढ़ेगी। उसने मनोज कुमार सिंह और रवि श्रीवास्तव का अपहरण कर उनकी हत्या की और उनके दिमाग का सूप पी लिया। पुलिस को राजा कोलंदर के पास से एक डायरी मिली, जिसमें उसने उन सभी लोगों के नाम लिखे थे जिनकी उसने हत्या की थी। उसने स्वीकार किया कि उसने लगभग 14 लोगों का कत्ल किया था। वह खोपड़ियों को इकट्ठा करता था और उनके साथ बातें करता था। उसने अपने घर में एक जगह बनाई थी जहां वह खोपड़ियों को लटका कर रखता था और उन्हें अपनी प्रजा मानता था। राजा कोलंदर ने मनोज सिंह की हत्या इसलिए की क्योंकि उसे उसके काले कारनामों की जानकारी हो गई थी। रवि श्रीवास्तव की हत्या भी बेहद क्रूरता से की गई थी। इन दोनों की हत्याओं के बाद उसने उनके शवों को ठिकाने लगाने के लिए उनके टुकड़े-टुकड़े कर दिए थे। लेकिन मोबाइल फोन की तकनीक ने इस नरभक्षी को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। राजा कोलंदर के मामले की सुनवाई कई वर्षों तक चली।

सुर्खियां............

सामान वापसी को लेकर विवाद, दुकानदार ने पुलिस से की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सामान वापसी के विवाद में गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में दुकानदार ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है ।जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला भगत सिंह नगर निवासी आरिश अली पुत्र अरमान शाह ने पुलिस को प्रार्थनापत्र देकर बताया कि वह पुरानी स्टेट बैंक के बगल में कपड़ों की दुकान खोले हुए है।

खाद्य सुरक्षा टीम ने की नगर के बाजार में छापामारी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नगर के मुख्य बाजार में छापेमारी कर रिफाइंड ऑयल और पारस घी के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे। इस कार्रवाई से दुकानदारों में हड़कंप मच गया ।सहायक आयुक्त खाद्य डॉ.जतेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार राय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेश प्रसाद और कन्हैया लाल यादव की टीम ने मियागंज स्थित मित्तल किराना स्टोर से सोयाबीन रिफाइंड ऑयल का नमूना लिया।

मायके आई महिला से नहाते वक्त रिश्ते के चाचा ने किया दुष्कर्म

(यंग भारत न्यूज)

कोंच पशुबाड़े में महिला को पकड़कर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है ।बताया गया महिला यहां अपने मायके आयी हुई थी ।जव कि आरोपी युवक गांव के ही प्रधान का पुत्र है ।मध्य प्रदेश में ब्याही महिला ने कोंच कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि बीते दिनों पूर्व वह अपने पति के साथ यहां मायके आयी हुई थी।

पूर्व कैदी की दुल्हन बनीं सहायक जेलर फिरोजा खातून, हिंदू रीति-रिवाज से हुई शादी, बजरंग दल ने किया कन्यादान

(यंग भारत न्यूज)

सतना। मध्य प्रदेश के सतना जेल में पदस्थ के एक सहायक जेलर को वारंट काटते-काटते उम्रकैद की सजा काट रहे कैदी से प्यार हो गया। प्यार इतना गहरा था कि प्रेमी कैदी को पाने के लिए सहायक जेलर फिरोजा खातून ने हर दीवारें तोड़ दीं। घरवालों के विरोध के बीच उन्होंने पूर्व कैदी धर्मेंद्र सिंह से हिंदू रीति-रिवाज से शादी रचा ली है। बजरंग दल के लोगों ने फिरोजा खातून का कन्यादान किया है।

उम्रकैद की सजा काट रहे धर्मेंद्र सिंह से जेल में हुई मुलाकात

दरअसल, केंद्रीय जेल सतना में सहायक जेल अधीक्षक के पद पर पदस्थ मुस्लिम महिला अधिकारी फिरोजा खातून की मुलाकात ड्यूटी के दौरान धर्मेंद्र से हुई थी। जेल में महिला अधिकारी वारंट इंचार्ज थी, वहीं सजा काट रहा युवक वारंट का काम करता था। यहां दोनों के बीच पहले दोस्ती हुई, फिर प्यार परवान चढ़ा। दोनों ने परिवार और समाज की परवाह किए बिना हिंदू रीति-रिवाज से शादी करने का फैसला लिया। शादी पूरी तरह से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुई।

धर्म की वजह से परिवार में था विरोध

धर्मेंद्र सिंह मूल रूप से छतरपुर जिले के लिए के रहने वाले हैं। 2007 में वह हत्या के मामले में जेल गए थे। चार साल पहले सजा खत्म होने के बाद उनकी रिहाई हो गई। इसके बाद भी सहायक जेलर फिरोजा खातून से प्यार बना रहा। फिरोजा के परिवार वाले धर्म की वजह से शादी के लिए तैयार नहीं थे। धर्मेंद्र सिंह हिंदू हैं और फिरोजा खातून मुस्लिम है। ऐसे में यह रिश्ता इतना आसान नहीं था।

धर्मेंद्र सिंह को क्यों हुई थी सजा

छतरपुर जिले के चंदला के रहने वाले हैं धर्मेंद्र सिंह

2007 में चंदला नगर परिषद कृष्णादत्त दीक्षित की हुई थी हत्या

इसी हत्या के मामले में धर्मेंद्र सिंह को हुई थी उम्रकैद की सजा

सतना सेंट्रल जेल में रहने के दौरान सहायक जेल से हुआ प्यार

अब दोनों ने हिंदू रीति-रिवाज से की शादी

दोनों ने किया शादी करने का फैसला

फिरोजा ने अपने परिवार के विरोध के बीच धर्मेंद्र सिंह से शादी करने का फैसला फैसला किया है। धर्मेंद्र के परिवार की मौजूदगी में पांच मई को छतरपुर जिले के लवकुशनगर में दोनों की शादी हुई है। यह शादी पूरी तरह से हिंदू रीति-रिवाज से हुई है। दुल्हन बनीं बनीं फिरोजा खातून बेहद खूबसूरत लगी हैं। शादी के बाद अब तस्वीरें सामने आई हैं और चर्चा हो रही है।

बजरंग दल के लोगों ने किया कन्यादान

हिंदू रीति-रिवाज से शादी में कन्यादान की रस्म सबसे अहम होता है। यह रस्म दुल्हन की पिता निभाते हैं। फिरोजा खातून के परिवार से कोई नहीं आया था। ऐसे में यह रस्म सतना में विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष राजबहादुर मिश्रा ने अपनी पत्नी के साथ निभाई है। इस दौरान वहां बड़ी संख्या में बजरंग दल से जुड़े लोग मौजूद रहे हैं।

मोहब्बत का कोई मजहब नहीं होता

गौरतलब है कि जेल की चारदीवारी के भीतर कानून-व्यवस्था संभालने वाली अधिकारी ने संदेश दिया कि मोहब्बत और इंसानियत का कोई मजहब नहीं होता। शादी की खबर सामने आते ही केंद्रीय जेल सतना में यह मामला चर्चा का विषय बन गया। कैदी से लेकर अधिकारी तक सभी ने इस जोड़े को बधाई दी। मुस्लिम अधिकारी ने ड्यूटी में जितनी ईमानदारी दिखाई है, निजी जीवन में भी उतनी ही हिम्मत दिखाई है।

यूपी पुलिस को हाई कोर्ट ने लगाई कड़ी फटकार

नागरिकों की सुरक्षा को लेकर संवेदनशील नहीं है पुलिस : इलाहाबाद हाईकोर्ट

(यंग भारत न्यूज)

प्रयागराजः इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर पुलिस के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि राज्य की पहली जिम्मेदारी मानव जीवन बचाना है. केवल अपराध होने के बाद अपराधियों को सजा दिलाना नहीं. बदायूं के नानकराम की याचिका पर न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था के लिए जिम्मेदार एजेंसियों की मानव जीवन की रक्षा को लेकर संवेदनशीलता हमेशा कम रही है और आज भी वैसी ही बनी हुई है. अदालत ने ये टिप्पणियां बदायूं की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा दाखिल हलफनामे पर असंतोष जताते हुए कीं. याची का कहना था कि पारिवारिक जमीन विवाद को लेकर उसे पांच लोगों से जान का गंभीर खतरा है. उसने पहले वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से सुरक्षा मांगी थी लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की. इसके बाद उसने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सुरक्षा और आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की. अदालत ने 6 अप्रैल को सुनवाई के दौरान एसएसपी को व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर यह बताने का निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता की खतरे की आशंका का आकलन करने और सुरक्षा देने के लिए क्या कदम उठाए गए. इसके अनुपालन दाखिल हलफनामे में एसएसपी की ओर कोई ठोस जानकारी नहीं दी गई. कोर्ट ने कहा कि हलफनामे में केवल विवाद की पृष्ठभूमि और दोनों पक्षों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराओं 170, 126 और 135 के तहत की गई निवारक कार्रवाई का जिक्र है. अदालत ने कहा कि लगता है कि मामले की गंभीरता को समझने का काम किसी दरोगा की बुद्धिमत्ता पर छोड़ दिया गया. हलफनामे में यह भी कहा गया कि आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है और गांव में बीट कांस्टेबलों को गश्त के निर्देश दिए गए. पुलिस ने यह भी कहा कि गांव में शांति है और विवाद केवल जमीन बंटवारे और पारिवारिक दुश्मनी का है. इस पर कोर्ट ने कहा, अपराध का होना एक अलग बात है, शांति व्यवस्था बनाए रखना दूसरी, लेकिन याचिकाकर्ता द्वारा जताया गया जान का खतरा बिल्कुल अलग मुद्दा है.

इस संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक का रवैया उदासीन दिखाई देता है. कोर्ट ने कहा, 'यदि कल याचिकाकर्ता को गोली मार दी जाए या उसके साथ कोई गंभीर हमला हो जाए तो शुरू की गई कार्यवाही उसे वापस जीवन नहीं दे सकती.' खंडपीठ ने कहा कि इलाज से बेहतर रोकथाम का सिद्धांत यहां लागू होता है. अदालत ने कहा कि अपराध होने के बाद अपराधियों के खिलाफ मुकदमा चलाना केवल प्रतिशोधात्मक कार्रवाई है, जिससे पीड़ित की जान वापस नहीं आ सकती. कोर्ट ने कहा कि 'अपराधियों को सजा देना अलग बात है. सिद्धांत रूप में कहा जा सकता है कि इससे भविष्य के अपराध रुकेंगे लेकिन अनुभव बताता है कि ऐसा शायद ही होता है.' अदालत ने कहा कि बदायूं एसएसपी की प्रतिक्रिया अपेक्षित स्तर से 'काफी नीचे' रही. इसके बाद कोर्ट ने उन्हें नया हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया, जिसमें यह बताया जाए कि याचिकाकर्ता की सुरक्षा के लिए क्या ठोस कदम उठाए जाएंगे. हाईकोर्ट ने कहा कि यदि पुलिस उचित कदम उठाए तो अदालत को सुरक्षा संबंधी आदेश जारी करने जैसी अप्रिय स्थिति से बचाया जा सकता है. मामले की अगली सुनवाई 13 मई को होगी।

कमला नेहरू बालिका इंटर कालेज में हुआ विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

-छात्राओ को दी गयी सरकारी योजनाओ की जानकारी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर पालिका द्वारा संचालित कमला नेहरू बालिका इंटर कालेज में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं एवं आमजन को विभिन्न विधिक अधिकारों, कानूनों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने अपने-अपने विभागों से जुड़ी योजनाओं और अधिकारों की विस्तृत जानकारी उपस्थित छात्राओ को दी।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट), विधिक सहायता सेवाएं तथा माननीय उच्चतम न्यायालय एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के महत्वपूर्ण अनुवादित निर्णयों से संबंधित जानकारी साझा की गई। अधिकारियों ने छात्राओं को बताया कि न्यायालयों के निर्णय अब आमजन की समझ के लिए हिंदी में भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे लोगों को अपने अधिकारों की जानकारी आसानी से मिल सके।शिविर में बाल सुरक्षा, महिला अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर विशेष चर्चा की गई। छात्राओं को कानूनी सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया, हेल्पलाइन नंबरों और सरकारी सहायता सेवाओं की जानकारी भी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि समाज में बढ़ते अपराधों और जागरूकता की कमी को देखते हुए ऐसे कार्यक्रम बेहद आवश्यक हैं, ताकि महिलाएं और बच्चे अपने अधिकारों को समझ सकें और किसी भी अन्याय के खिलाफ आवाज उठा सकें। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा समाज में विधिक जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया। शिविर में पीएलवी जगपाल सिंह, प्रधानाचार्य प्रतिमा सिंह, सीडीपीओ कोंच चंद्रप्रभा खरे, वरिष्ठ उपनिरीक्षक विमलेश कुमार यादव, राजस्व निरीक्षक लायक सिंह, बीआरसी से राहुल शर्मा, सीएचसी कोंच से डॉ. सुरजीत एवं डॉ. सविता पटेल, पारसमणि अग्रवाल, लेखपाल धीरज सिंह सहित भावना, संगीता, फरीन, चांदनी, तन्या, उर्वशी, सुमन एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

किसानो ने पालिका पर लगाया आरोप कहा किसानो की निजी कृषि भूमि पर जबरन पालिका करा रही नाले की खुदाई

(यंग भारत न्यूज)

कोंच किसानों ने नगर पालिका परिषद पर उनकी निजी कृषि भूमि में जबरन नाला खुदवाने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर किसानों ने गुरुवार को उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

शिकायतकर्ता किसान उमाशंकर, भवानीशंकर, रामनारायण एवं श्यामलाल ने आरोप लगाया है कि मौजा कोंच बदनपुरा स्थित आराजी संख्या 1636 व 1637 उनकी पुश्तैनी एवं काश्तकारी भूमि है, जिस पर वे वर्षों से खेती-बाड़ी करते आ रहे हैं। इसके बावजूद नगर पालिका परिषद कोंच के ठेकेदार जेसीबी मशीन द्वारा भूमि की खुदाई कर जबरन नाला निर्माण का कार्य करा रहे हैं। किसानों का कहना है कि इससे पहले भी नगर पालिका द्वारा उक्त भूमि पर खुदाई का प्रयास किया गया था, जिसे न्यायालय द्वारा रोक दिया गया था। वर्तमान में भी इस विवाद को लेकर सिविल जज (जू0डि0) न्यायालय कोंच में 'उमाशंकर आदि बनाम नगर पालिका परिषद आदि' शीर्षक से वाद लंबित है। इसके बावजूद नगर पालिका द्वारा दोबारा खुदाई शुरू कर देना न्यायिक प्रक्रिया एवं शासनादेश की अवहेलना माना जा रहा है।शिकायती पत्र में किसानों ने स्पष्ट किया है कि बिना किसी वैधानिक पैमाइश एवं भूमिधरों की सहमति के प्रशासनिक दबाव और ताकत के बल पर नाला खुदवाना पूरी तरह गैरकानूनी है। किसानों का यह भी कहना है कि यदि नाला बनता है तो उनकी खेती प्रभावित होगी तथा ट्रैक्टर और कृषि उपकरणों के आवागमन में गंभीर बाधा उत्पन्न होगी।किसानो ने आरोप लगाया कि नगर पालिका का यह एकतरफा कदम न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है और इससे किसानों को आर्थिक एवं कृषि संबंधी भारी नुकसान हो सकता है। उन्होंने मांग की है कि जब तक न्यायालय में मामला विचाराधीन है, तब तक किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य न कराया जाए।उपजिलाधिकारी से किसानों ने मांग की है कि तत्काल प्रभाव से नाला खुदाई पर रोक लगाई जाए तथा सभी पक्षों की सहमति और विधिक प्रक्रिया के अनुसार ही आगे कोई कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

लापरवाही : आंधी व बारिश के चलते लगभग 150 क्विंटल गेंहू भीगा

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नवीन गल्ला मंडी परिसर में किसानों से एमएसपी दर पर गेंहू खरीदने के लिए सरकारी गेंहू क्रय केंद्र खोले गए है। लेकिन समय पर उठान न होने के चलते लगभग एक हजार क्विंटल खुले में रखा था। आंधी व बारिश के चलते लगभग 150 क्विंटल गेंहू भीग गया।

किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए नवीन गल्ला मंडी परिसर में सरकारी गेंहू क्रय केंद्र खोले गए हैं। जहां किसानों से एमएसपी दर पर गेंहू खरीदा जा रहा है। नवीन गल्ला मंडी परिसर में नीलामी चबूतरे पर 15 सरकारी गेंहू क्रय केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों पर अब तक लगभग 33 हजार क्विंटल गेंहू की खरीद की जा चुकी है। हालांकि खरीद की रफ्तार तो ठीक है, लेकिन सबसे बड़ी समस्या खरीदे गए गेंहू की समय पर उठान न होने की है। उठान में देरी के कारण मंडी परिसर के नीलामी चबूतरे के बाहर गेंहू के बोरों का ढेर लग गया है, जिसे खुले आसमान के नीचे ही रखा गया है। हालांकि तिरपाल आदि की व्यवस्था की गई है लेकिन वह पर्याप्त नहीं है। गुरूवार की सुबह लगभग छह बजे अचानक तेज हवा और बारिश होने लगी। मंडी प्रशासन ने खुले में रखे गेहूं को भीगने से बचाने के लिए हर संभव प्रयास किया। तेज हवा के चलते कुछ ढेरों से तिरपाल उड़ने व मंडी में जलभराव होने के कारण बाहर रखे लगभग एक हजार क्विंटल गेंहू में लगभग 150 क्विंटल गेंहू भीग गया। पानी बंद होते ही मंडी सचिव अंकित गुप्ता मौके पर पहुंचे और नुकसान को देखा। उन्होंने क्रय केंद्र प्रभारियों से मिलकर गेहूं की उठान शीघ्र सुनिश्चित कराने के लिए कहा। जिससे आगे समस्या न हो। इस मौके रवि कुमार, निरीक्षक राघवेंद्र सिंह गुर्जर, निखिल श्रीवास्तव आदि रहे।

आवारा पशु कर रहे किसानो की फसले बर्बाद

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम परैथा में आवारा पशुओं का आतंक किसानों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है। जिसका वीडियो बनाकर किसानों ने गुरुवार को वायरल कर प्रशासन से फसले बर्बाद होने की गुहार लगाई है।ग्रामीणों का आरोप है कि पशु खेतों में घुसकर खड़ी फसलें बर्बाद कर रहे हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों ने बताया कि ग्राम मगरा के आवारा पशु लगातार फसलों को नुकसान पहुंचा रहे है और शिकायतों के बावजूद समाधान नहीं हो सका है।फसल चरने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग तेज कर दी है।किसानों का कहना है कि उन्हें रात में खेतों की रखवाली करनी पड़ रही है, फिर भी फसलें सुरक्षित नहीं हैं। सुभाष पटेल, नितिन, सौरभ पटेल, रविन्द्र, भगवानसिंह, प्रमोद, नारायण आदि ग्रामीणों ने आवारा पशुओं को गौशालाओं में भेजने और नुकसान का मुआवजा देने की प्रशासन से मांग की है।

सातवें दिन रूकमणी मंगल, जरासंध वध,, भोमासुर वध की कथा सुनायीं गई

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। महिया खास में रामजानकी मंदिर पर चल रही श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन रूकमणी मंगल, जरासंध वध,, भोमासुर वध और सुदामा चरित्र कथा का वर्णन कथा व्यास पंडित सर्वेश दीक्षित ने किया।

ग्राम महिया में स्थित रामाजनकी मंदिर परिसर में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के सातवें दिन कथा व्यास पंडित सर्वेश दीक्षित महाराज ने रूकमणी मंगल समस्त कृष्ण विवाह कथा, जरासंध वध, भोमासुर वध राजसूय यज्ञ का वर्णन सुनाया गया। भगवान श्रीकृष्ण के विवाह की कथा को विस्तार से सुनाते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के 16 हज़ार 108 विवाह का वर्णन मिलता है। जिसमें 16100 कन्याओं को भौमासुर राक्षस की चंगुल से मुक्त करने पर उन्होंने अपनाया। इसके बाद 8 पटरानियों के विवाह का वर्णन किया गया। जिसमें प्रत्येक विवाह का अलग अलग करके कथा श्रवण कराई। अंत में सुदामा चरित का वर्णन कर उन्होंने कथा को विश्राम दिया। इस मौके पर परीक्षत आशा मन्ना सिंह सेंगर, मालखान सिंह, राजेंद्र सिंह, यतेंद्र सिंह, राकेश सिंह, देवेन्द्र सिंह, जितेंद्र सिंह, राजवीर सिंह, नरेंद्र, हरेंद्र, कालका प्रसाद, विशंभर दयाल, दीनदयाल, बनवारी लाल, दीपेंद्र, बीटू, दीपू, सुंदर सिंह, दुर्गा प्रसाद, राहुल, करुणा सिंह, मंजू, अनीता, छवि, नीलम, सोनम, रानी, अर्चना, मालती, माया देवी, सुशांत सिंह आदि रहे।

ससुर नव मौका पाकर दबोच लिया बहु को

-पुलिस ने नही लिखी रिपोर्ट, न्यायालय ने दर्ज कराई एफआईआर

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। पुत्रवधू ने लगभग चार माह पूर्व ससुर पर सोते समय छेड़खानी और दुष्कर्म का प्रयास करने आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी थी। सुनवाई न होने पर विवाहिता ने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने आरोपी ससुर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी लगभग 13 वर्ष पूर्व हुई थी। पति कर्नाटक में रहकर पानी पूरी का धंधा करते हैं। जिसके चलते वह अक्सर बाहर ही रहते हैं। घर पर वह अपने दो बच्चों और सास, ससुर के साथ रहती है। आरोप लगाया कि उसके ससुर की उस पर नीयत खराब थी जिसके चलते बीती आठ जनवरी को जब उसके बच्चे दादी के कमरे में सो रहे थे। तभी रात करीब 10 बजे ससुर शिवचरन उसके कमरे में घुस आए और सोते समय उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगे। उसकी साड़ी खींचकर उसे जमीन पर गिरा दिया और उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। वह चिल्लाई और किसी तरह छूटकर सास के कमरे में पहुंची और उन्हें पूरी बात बताई। सास ने भी इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। अगले दिन उसने कोतवाली में तहरीर दी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसके बाद उसने न्यायालय की शरण ली है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने आरोपी ससुर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाल हरिशंकर चंद ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करेगी।

दबंग ने रंजिश में महिला को जमकर पीटा

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई ।रंजिश के चलते गांव के ही युवक ने महिला की पिटाई कर दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई की है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम औरेखी निवासी सुमन देवी ने पुलिस को बताया कि उनके गांव का ही मंतोष कुमार उसके परिवार से रंजिश मानता है। रंजिश के चलते अक्सर गाली, गलौज और विवाद करता रहता है। परिजनों ने कई बार समझाने की कोशिश की लेकिन सुनने को तैयार नहीं है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि गुरूवार की सुबह मंतोष उसके घर के बाहर खड़े होकर गाली, गलौज कर रहा था। जब उसने बाहर आकर मना किया तो उसने पिटाई कर दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई की है।

सामान वापसी को लेकर विवाद, दुकानदार ने पुलिस से की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सामान वापसी के विवाद में गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में दुकानदार ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला भगत सिंह नगर निवासी आरिश अली पुत्र अरमान शाह ने पुलिस को प्रार्थनापत्र देकर बताया कि वह पुरानी स्टेट बैंक के बगल में कपड़ों की दुकान खोले हुए है। गुरुवार को बाइक सवार एक व्यक्ति दुकान पर आया और दो माह पहले खरीदी गई शर्ट वापस करने का दबाव बनाने लगा। उसने खरीद के एक सप्ताह तक ही वापसी होने की बात कही तो उक्त व्यक्ति ने गाली गलौज कर उसे जान से मारने की धमकी दी। मामले में पीड़ित दुकानदार ने पुलिस से कार्यवाही किए जाने की मांग की है।कोतवाल पुलिस ने प्रार्थनापत्र पर जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए।

खाद्य सुरक्षा टीम ने की नगर के बाजार में छापामारी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नगर के मुख्य बाजार में छापेमारी कर रिफाइंड ऑयल और पारस घी के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे। इस कार्रवाई से दुकानदारों में हड़कंप मच गया।सहायक आयुक्त खाद्य डॉ.जतेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार राय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी महेश प्रसाद और कन्हैया लाल यादव की टीम ने मियागंज स्थित मित्तल किराना स्टोर से सोयाबीन रिफाइंड ऑयल का नमूना लिया। इसके बाद टीम ने रामगंज बाजार पहुंचकर राम मोहन राठौर की दुकान से पारस घी का सैंपल भरा। सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. जतेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि मिलावटी खाद्य सामग्री के खिलाफ विभाग का अभियान लगातार जारी है और यह अभियानअनवरत चलता रहेगा।उन्होने कहा जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आम लोगों को सही खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए अभियान आगे भी चलता रहेगा।टीम ने दुकानदारो से अपील की है कि जनमानस के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर शुद्ध और स्वच्छ खाद्य सामग्री बेचे।

मायके आई महिला से नहाते वक्त रिश्ते के चाचा ने किया दुष्कर्म

मारपीट कर गली गलौज की और शिकायत करने पर वीडियो वायरल करने की दी धमकी, पुलिस ने कर लिया पीड़िता का मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कोंच पशुबाड़े में महिला को पकड़कर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।बताया गया महिला यहां अपने मायके आयी हुई थी।जव कि आरोपी युवक गांव के ही प्रधान का पुत्र है।मध्य प्रदेश में ब्याही महिला ने कोंच कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि बीते दिनों पूर्व वह अपने पति के साथ यहां मायके आयी हुई थी। बुधवार की सुबह 11 बजे वह घर के सामने स्थित पशुबाड़े में नहाने गई हुई थी। नहाने के लिए जैसे ही उसने अपने कपड़े निकाले तभी गांव का ही रिश्ते में चाचा लगने वाला सौरभ मौके पर आया और उसे दबोचकर वहां बने एक कमरे में ले गया जहां उसने उसके साथ जबरन दुष्कर्म कर दिया। बचाव में वह चिल्लाई तो उसने गाली गलौज कर मारपीट की और घटना के बारे में किसी को बताने पर पति को फोटो सेंड करने की धमकी देकर मौके से भाग गया। महिला ने प्रार्थना पत्र में बताया कि घर आकर वह लोकलाज के डर से कीटनाशक दवा पीने लगी तो पति ने यह देख लिया और उससे पूंछा जिसके बाद उसने पति को पूरी घटना बताई। उक्त मामले में पुलिस ने आरोपित युवक सौरभ के खिलाफ धारा 64(1), 115(2), 351(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज कर लिया है। क्या कहा सीओ ने इस संबंध में क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद का कहना है कि महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल महिला का चिकित्सकीय परीक्षण और उसके बयानों को दर्ज किए जाने की कार्यवाही की जा रही है।

मृतक सिपाही के शव को पकड़कर माँ फफक फफक कर रोई सलामी के बाद हुआ अंतिम संस्कार

(यंग भारत न्यूज)

बबेरू /बाँदा। बबेरू में मृतक सिपाही का शव पहुंचते ही परिवार मे मचा कोहराम, गार्ड ऑफ ऑनर सलामी के बाद किया गया मृतक सिपाही का हुआ अंतिम संस्कार, बबेरू क्षेत्र के रहने वाले अशोक कुमार साहू उम्र 30 वर्ष जो उरई जालौन में कांस्टेबल पद पर तैनात था, जिसकी सड़क हादसे में हरियाणा में मृत्यु हो गई।

बता दें कि उरई कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक मोहित यादव, सत्यवान, कांस्टेबल अशोक कुमार साहू, प्रदीप कुमार सर्विलांस टीम के साथ दबिस देने के लिए हरियाणा गए हुये थे। तभी मंगलवार की सुबह स्कॉर्पियो मे सवार होकर वहां से लौट रहे थे। तभी ओवरटेक के चक्कर में स्कॉर्पियो गाड़ी अनियंत्रित होकर सामने खड़ी गाड़ी से टकरा गई, जिससे हादसे में चारों पुलिस कर्मियों और एक वादी अमरीक सिंह की मौके पर मौत हो गई। घटना को देखते हुए सभी मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस के द्वारा सभी के शवों का पोस्टमार्टम करवाने के बाद उरई पुलिस लाइन पर सलामी देते हुए सभी के शवो को मृतको के शव को गांव भेजा गया, बबेरू कोतवाली क्षेत्र के ब्योजा गांव निवासी हाल मुकाम पता तिंदवारी रोड बबेरू निवासी मृतक कांस्टेबल अशोक कुमार साहू का शव जैसे ही घर पंहुचा, तो पूरा परिवार मे कोहराम मच गया, वही मृतक की माँ सहोद्रा देवी पुत्र के शव पर लिपट कर फफक फफक का रोने लगी, कुछ देर के बाद मृतक कांस्टेबल के शव को बबेरू कस्बे के ओरन रोड स्थित मुक्तिधाम पर पहुंचे, जहां पर पुलिस कर्मियों के द्वारा गॉड ऑफ ऑनर देते हुए सलामी दिया। उसके बाद बबेरू पुलिस क्षेत्राधिकारी कृष्णकांत त्रिपाठी बबेरू कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र सिंह राजावत बबेरू विधायक विशंभर सिंह यादव सहित सभी पुलिस कर्मियों व परिजनों के द्वारा पुष्पांजलि करके श्रद्धांजलि दिया। वही पुलिस क्षेत्रधिकारी कृष्णकांत, प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र सिंह राजावत, उरई कोतवाली प्रभारी मोहम्मद आसिफ, व अन्य पुलिस कर्मियों के द्वारा कंधा देने के बाद मृतक का बड़ा भाई इंद्रजीत के द्वारा मुख्य अग्नि देकर अंतिम संस्कार बुधवार की शाम करीब 4:30 बजे किया गया। अंतिम संस्कार के समय पूर्व मंत्री पूर्व मंत्री शिव शंकर सिंह पटेल, बांदा चित्रकूट सांसद कृष्णा देवी, बबेरू विधायक विशम्भर सिंह यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष महेंद्र वर्मा, जिला पंचायत सदस्य इंद्रजीत यादव, राम प्रकाश साहू, ज्ञान सिंह अखिलेश पाल रमेश साहू सहित सैकड़ो की संख्या मे लोग व पुलिस कर्मी मौजूद रहे मौजूद रहे।

मकान के विवाद में परिजनों ने युवक को पीटा

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। मकान के बंटवारे को लेकर परिजनों ने परिवार के ही एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कैंथ निवासी आलोक कुमार ने पुलिस को बताया कि मकान के बंटवारे को लेकर परिवार के लोग ही उससे रंजिश मानते है। जबरन बंटवारा कराने पर आमादा है। पीड़ित ने बताया कि गुरूवार की सुबह बंटवारे को लेकर परिवार के बाबूराम, सुनील, अजीत आ गए और तुरंत बंटवारे की बात कहने लगे। जब उसने बताया कि समय आने पर बंटवारा हो जाएगा। तो वह सभी गाली, गलौज करने लगे। मना करने पर सभी ने मिलकर न सिर्फ उनकी पिटाई कर दी बल्कि धमकाया भी है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोहल्ले के लोगों के साथ विवाद कर रहे युवक पर पुलिस ने की शांति भंग की कार्यवाही

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। मोहल्ले के लोगों के साथ विवाद व झगड़ा कर रहे युवक के खिलाफ पुलिस ने शांतिभंग की कार्रवाई की है। जालौन-उरई

कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला जोशियाना निवासी सूर्यांश कुमार गुरूवार की सुबह मोहल्ले में खड़ा होकर आने जाने वाले लोगों के साथ विवाद और झगड़ा कर रहा था। जब मोहल्ले के लोगों ने उसे समझाने की कोशिश की तो वह उनसे भी झगड़ा करने लगा। जिसके बाद उन्होंने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की है।

शहर में पर्दे के आगे सुपाड़ी तथा पर्दे के पीछे हो रहा जानलेवा के गुटखे का धंधा

गुटखा निर्माताओं की लक्ष्मी के दम पर संबंधित सभी विभागों के अधिकारी हैं मौन

- गुटखे के नाम पर जहर बेच कर काले धंधे बाज़ बन रहे हैं करोड़पति
- सभी अधिकारियों को हैसियत के मुताबिक भेजा जाता है महीना
- सुबह 4 बजे अपनी गाड़ियों और प्राइवेट बसों से गुटखा निर्माता भेजते हैं क्षेत्र में सभी जगह 'माल
- विभाग खाद्य सुरक्षा एक्साइज़, पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारी सादे हैं जानबूझकर चुप्पी
- डीएम-एसपी कार्यालय से महज 500 मीटर दूरी पर चल रहा अवैध कारोबार

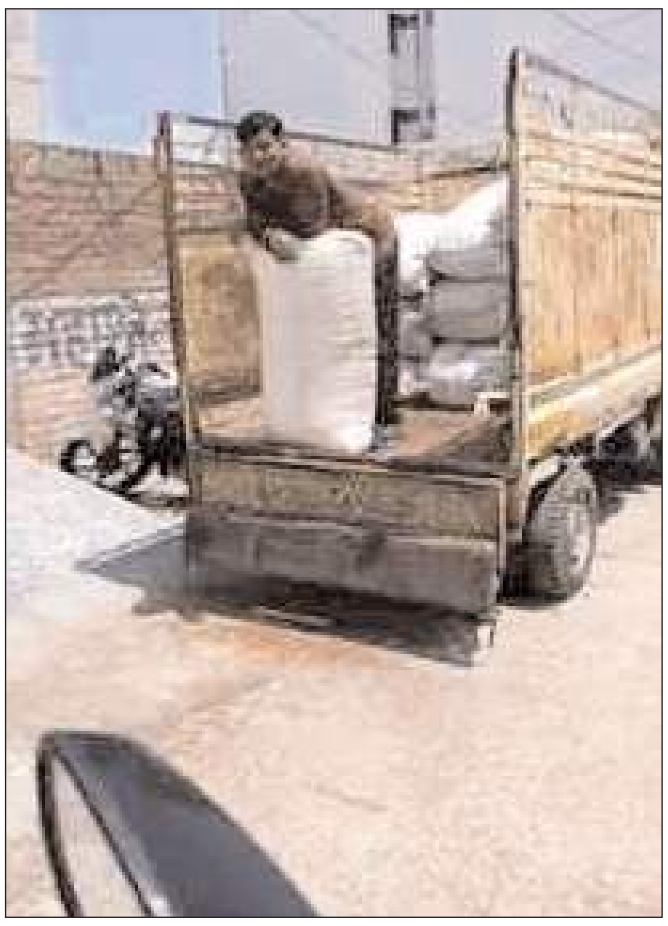

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शहर में सुपाड़ी के कारोबार की आड़ में अवैध गुटखा मिक्सर का धंधा खुलेआम चल रहा है। आरोप है कि पिसी सुपाड़ी के लाइसेंस पर घटिया कत्था और कैमिकल मिलाकर जहरीला मिक्सर तैयार किया जा रहा है, जिसे गुटखा निर्माताओं को बेचा जाता है। यह अवैध कारोबार डीएम-एसपी कार्यालय और सांसद कार्यालय के पास हो रहा है संचालित।

शहर में सुपाड़ी के कारोबार की आड़ में गुटखे के मिक्सर का अवैध धंधा धड़ल्ले से संचालित हो रहा है। ओरल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को बढ़ावा देने वाला यह जहरीला कारोबार खुलेआम चल रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक मौन बने हुए हैं। चार लाख की आबादी वाले शहर में लोगों की सेहत से खिलवाड़ किया जा रहा है और प्रशासनिक तंत्र कार्रवाई के बजाय आंखें मूंदे बैठा है। जानकारी के अनुसार कुछ कारोबारियों ने जीएसटी विभाग से केवल पिसी सुपाड़ी बेचने का लाइसेंस प्राप्त कर रखा है, लेकिन उसी लाइसेंस की आड़ में गुटखे का मिक्सर तैयार कर उसकी बिक्री की जा रही है। बताया जाता है कि इस मिक्सर में घटिया किस्म का कत्था, रंग और अन्य रासायनिक पदार्थ मिलाकर ऐसा मिश्रण तैयार किया जाता है जिसे बाद में गुटखा निर्माताओं को बेचा जाता है। इसके बाद यह जहरीला उत्पाद बाजार में गुटखे के रूप में पहुंचता है और लोगों की सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचाता है ।सबसे हैरानी की बात यह है कि यह पूरा गोरखधंधा जिला प्रशासन की नाक के नीचे चल रहा है। डीएम और एसपी के आवास तथा कार्यालय से महज पांच सौ मीटर की दूरी पर खुलेआम यह कारोबार संचालित हो रहा है। इसके बावजूद अब तक किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं होना कई सवाल खड़े करता है। उक्त अवैध कारोबार सांसद कार्यालय के ठीक सामने संचालित हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सांसद कार्यालय के सामने से जेल रोड को जोड़ने वाले मार्ग पर स्थित एक आलीशान इमारत में यह अवैध गतिविधि संचालित हो रही है। दिनभर व्यस्त रहने वाली इस सड़क पर लोगों की लगातार आवाजाही रहती है, लेकिन इसके बावजूद किसी जिम्मेदार अधिकारी की नजर इस अवैध धंधे पर नहीं पड़ी। आरोप है कि यहां घटिया सुपाड़ी को पीसकर उसमें कैमिकल मिलाए जाते हैं और उसे लाल रंग देकर गुटखा निर्माताओं को सप्लाई किया जाता है ।सूत्रों के मुताबिक शहर में इस प्रकार का कारोबार केवल एक ही स्थान पर नहीं बल्कि दो बड़े ठिकानों पर किया जा रहा है। दूसरा अड्डा झांसी रोड स्थित मिजपा स्कूल के पीछे बताया जा रहा है, जहां बड़े पैमाने पर सुपाड़ी मिक्सर तैयार किया जाता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभागीय मिलीभगत के बिना इतना बड़ा अवैध कारोबार संभव नहीं हो सकता ।लोगों का कहना है कि इन कारोबारियों को अक्सर खाद्य विभाग के कार्यालय के चक्कर लगाते देखा जाता है, जिससे विभागीय भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। यदि समय रहते इस अवैध धंधे पर रोक नहीं लगी तो आने वाले समय में यह कारोबार और अधिक फैल सकता है ।विशेषज्ञों के अनुसार सुपाड़ी और तंबाकू उत्पादों में मिलाए जाने वाले रासायनिक पदार्थ शरीर के लिए बेहद खतरनाक होते हैं। लंबे समय तक इनके सेवन से मुंह का कैंसर, गले की बीमारी और अन्य गंभीर रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। इसके बावजूद शहर में खुलेआम इस जहरीले मिक्सर की बिक्री होना प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है। इस पूरे मामले में जिला खाद्य अधिकारी डॉ. जतिन कुमार ने कहा कि विभाग द्वारा केवल सुपाड़ी बेचने का लाइसेंस जारी किया जाता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सुपाड़ी में अन्य कोई पदार्थ मिलाने की अनुमति नहीं है। यदि किसी मिक्सर में निकोटिन, कत्था या अन्य रासायनिक पदार्थ मिलाए जा रहे हैं तो यह पूरी तरह गलत और अवैध है ।उन्होंने बताया कि जिस पते पर इस तरह की गतिविधि संचालित होने की बात सामने आई है, वहां विभाग द्वारा कोई लाइसेंस जारी नहीं किया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की जांच कराई जाएगी और यदि सुपाड़ी में मिलावट पाई जाती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही लाइसेंस की भी जांच की जाएगी ।अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन और खाद्य विभाग इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं। शहर में खुलेआम लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले इस कारोबार पर यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो यह सवाल उठना तय है कि आखिर जिम्मेदार विभाग किसका इंतजार कर रहे हैं।

आगामी राष्ट्रीय लोकदल को सफल बनाने के लिए हुई बैठक

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उ. प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देश के अनुपालन में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 09 मई 2026 को प्रभावी रूप से सफल बनाने के लिये अध्यक्ष / नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत परिवार न्यायालय प्रवीण कुमार पाण्डेय, अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, जालौन स्थान उरई की अध्यक्षता में अनुश्रवण राष्ट्रीय लोक अदालत समिति की पंचम बैठक नवनिर्मित भवन वादकारियों के बैठने हेतु प्रतीक्षालय, परामर्शदाता केन्द्र, परिवार न्यायालय, जालौन स्थान उरई में आयोजित की गयी। जिसमें प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, जालौन स्थान उरई श्री मनोज कुमार सिंह गौतम के कुशल निर्देशन में तथा अध्यक्ष / नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत परिवार न्यायालय श्री प्रवीण कुमार पाण्डेय, अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, जालौन स्थान उरई की अध्यक्षता में अनुश्रवण राष्ट्रीय लोक अदालत समिति की पंचम बैठक आयोजित की गयी। जिसमें अध्यक्ष/ नोडल अधिकारी श्री प्रवीण कुमार पाण्डेय द्वारा लोक अदालत के आयोजन को सफल बनाने के लिए दिशा-निर्देश दिये गये कि अधिक से अधिक पारिवारिक / वैवाहिक एवं भरण पोषण वादों में पक्षकारो के मध्य सुलह वार्ता कराये जाने का प्रयास करें, जिससे अधिक संख्या में पारिवारिक / वैवाहिक एवं भरण पोषण वादो को लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किया जा सके। बैठक में उपस्थित परामर्शदाता, के. के. प्रजपाति, सदस्य / मध्यस्थ श्रीमती सुलेखा सिंह द्वारा बताया गया कि लिटीगेशन हेतु जो भी पत्रावलियों न्यायालय से प्राप्त होती है उनमें मीडियेशन करायी जा रही है एवं निरंतर वादकारियों से सम्पर्क किया जा रहा है एवं नियत तिथियों पर पक्षकारो के मध्य सुलह वार्ता कराये जाने का भरसक प्रयास किया जा रहा है, जिससे लोक अदालत में सुलह समझौते के आधार पर मामलों का निस्तारण किया जा सके। के. के. प्रजापति द्वारा बताया गया कि 04 मामलो में तथा मध्यस्थ श्रीमती सुलेखा सिंह द्वारा बताया गया कि 02 मामलो में पक्षकारो के मध्य सफलतापूर्वक समझौता कराया गया।

बैठक में उपस्थित विद्वान अधिवक्तागण द्वारा भी आश्वासन दिया गया कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण हेतु पक्षकारों को समझाने का प्रयास कराया जायेगा ।में उक्त बैठक में सदर मुंसरिम काजी वसीम उल्ला, एव विद्वान अधिवक्तागण रामजी शाक्य, अंशुमान दीक्षित, श्रीमती आंकाक्षा पटेल, सुश्री निकिता, सुश्री ज्योति त्रिपाठी, श्यामजीवन त्रिपाठी, अनिल कुमार उर्फ मुन्ना एवं न्यायालय कर्मचारी महेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

भारतीय किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने दो लोगों के साथ मिलकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

केन्द्रीय कृषि मंत्री को ज्ञापन भेजकर किसानों की समस्यायों को उठाया

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। भारतीय किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष साहब सिंह चौहान ने संगठन के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सक्सेना के साथ कलेक्ट्रेट पहुंच कर केन्द्र सरकार के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को भेंट करते हुए बताया कि उ.प्र.के बुंदेलखंड में वर्षों से 80 प्रतिशत किसानों की दलहन फसलें वृहद रूप से गुणवत्ता पूर्ण उत्पादन करता आ रहा है, भारत सरकार की राष्ट्रीय दलहन आत्मनिर्भर कृषक योजना बुंदेलखंड के जिला जालौन, झांसी, महोबा, बांदा, चित्रकूट तथा हमीरपुर में उक्त योजना को प्रारंभ करने की बात कही है। उन्होंने बताया कि बुंदेलखंड में वर्षों से दलहन फसलों का क्षेत्र है लेकिन मूल्य उचित न मिलने के कारण लागत भी नही निकल रही है ऐसी दशा में भारत सरकार की राष्ट्रीय दलहन आत्मनिर्भर कृषक योजना बुंदेलखंड के जिलों में प्रारंभ की जाये ऐसी जानकारी प्राप्त हुई है जबकि मध्य प्रदेश में उक्त योजना के तहत 55 दालमील की स्थापना की जा रही है। उन्होंने मांग की है कि बुंदेलखंड के जनपदों में भारत सरकार की राष्ट्रीय दलहन आत्मनिर्भर कृषक योजना शुरू किये जाने की मांग उठाई है।

राज्य महिला आयोग की सदस्य की अध्यक्षता में हुआ जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। राज्य महिला आयोग सदस्य श्रीमती अनुपमा लोधी की अध्यक्षता में विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनसुनवाई के दौरान महिलाओं ने घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद, उत्पीड़न, भूमि विवाद, पेंशन, आवास, राशन कार्ड तथा अन्य सामाजिक एवं प्रशासनिक समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए। सदस्य श्रीमती अनुपमा लोधी ने प्रत्येक महिला की समस्या को गम्भीरतापूर्वक सुनकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि महिलाओं की शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा किसी भी महिला के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएं।

कार्यक्रम के दौरान सदस्य महोदया ने उपस्थित अधिकारियों से महिला कल्याण से संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी भी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के उत्थान के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ पात्र महिलाओं तक पारदर्शिता के साथ पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर महिलाओं को उनके अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाए। जनसुनवाई में कई महिलाओं की समस्याओं का मौके पर ही समाधान कराया गया, जबकि शेष शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी चंद्रप्रकाश आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बाढ़ से निपटने के लिए पूर्व से ही प्रशासन पूरी तरह तैयार, डीएम ने सभी विभागों को अलर्ट मोड में रहने के दिए निर्देश

फ्लड स्टियरिंग ग्रुप की बैठक कर राहत-बचाव से लेकर जलभराव, खाद्यान्न, पशुचारा, बिजली व चिकित्सा तक की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में वर्ष 2026 की बाढ़ प्रबंधन कार्य योजना को लेकर फ्लड स्टियरिंग ग्रुप की बैठक कर जनपद में संभावित बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति से निपटने हेतु की गई तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग द्वारा प्रस्तुत कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर समय रहते आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बाढ़ स्टियरिंग ग्रुप के गठन, नोडल अधिकारियों की तैनाती, बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना, बाढ़ पूर्व तैयारियां, चेतावनी प्रणाली, राहत एवं बचाव कार्यों, नाव-मोटरबोट एवं गोताखोरों की उपलब्धता, जल निकासी हेतु पंपों की व्यवस्था, प्रशिक्षण एवं क्षमता संवर्धन तथा प्रभावित क्षेत्रों के आंकलन सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही बाढ़ चौकियों की स्थापना, खाद्यान्न, भूसा-चारा, दवाइयां, बिजली एवं पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ सभी संबंधित अधिकारी आवश्यक सामग्री हेतु 15 मई तक निविदाएं कराना सुनिश्चित करें। अपर जिलाधिकारी के नियंत्रण में जिला बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाएगा, जिसमें 8-8 घंटे की तीन पालियों में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी तथा टोल फ्री नंबर की व्यवस्था भी रहेगी। इसके अतिरिक्त बेतवा नहर प्रखंड प्रथम उरई कार्यालय में 15 जून से 15 अक्टूबर तक पृथक बाढ़ नियंत्रण कक्ष संचालित रहेगा। तहसील स्तर पर भी उपजिलाधिकारियों के नियंत्रण में आवश्यकतानुसार नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सड़कों, पुलियों एवं पुलों की समय से मरम्मत कराई जाए तथा कटान रोकने के लिए बालू की बोरियां एवं अन्य आवश्यक सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखी जाए। उन्होंने कहा कि बाढ़ शरणालयों को चिन्हित कर वहां आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। वैकल्पिक यातायात मार्ग, नाव, मोटरबोट, गोताखोर, पेयजल, दवाइयां, पशुचारा एवं विद्युत आपूर्ति जैसी व्यवस्थाएं पहले से तैयार रखी जाएं ताकि आपदा की स्थिति में आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में जनपद की प्रमुख नदियों यमुना, बेतवा, नून, पहूज एवं सिंध नदी की स्थिति तथा उनके जलस्तर की समीक्षा भी की गई। बताया गया कि जनपद में यमुना नदी की लंबाई 109 किलोमीटर तथा बेतवा नदी की लंबाई 130 किलोमीटर है। वहीं केंद्रीय जल आयोग द्वारा निर्धारित खतरे के निशान के अनुसार यमुना नदी का खतरा स्तर कालपी में 108 मीटर तथा बेतवा नदी का खतरा स्तर मोहाना में 122.664 मीटर निर्धारित है। सिंचाई विभाग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में बताया गया कि विगत 10 वर्षों में वर्ष 2022 में सर्वाधिक औसत वर्षा 856 मिमी दर्ज की गई थी। साथ ही विभिन्न वर्षों में यमुना एवं बेतवा नदियों के अधिकतम जलस्तर की जानकारी भी बैठक में प्रस्तुत की गई। बैठक में बाढ़ एवं जलभराव से प्रभावित होने वाले गांवों की स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा हुई। जनपद की पांचों तहसीलों जालौन, उरई, कालपी, कोंच एवं माधौगढ़ के कुल 1155 गांवों में से 158 गांव बाढ़ एवं जलभराव से प्रभावित संभावित श्रेणी में चिन्हित किए गए हैं, जहां कुल 27 बाढ़ चौकियां स्थापित की जाएंगी। कालपी तहसील में 35, उरई में 31, कोंच में 33, माधौगढ़ में 38 तथा जालौन तहसील में 21 गांव प्रभावित श्रेणी में शामिल हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि यमुना एवं बेतवा नदियों के जलस्तर की सूचना प्रतिदिन केंद्रीय जल आयोग एवं सिंचाई विभाग से प्राप्त कर जिला प्रशासन को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि जैसे ही जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंचे, तत्काल बाढ़ चौकियों की स्थापना, कर्मचारियों की तैनाती एवं रूट चार्ट लागू कर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिए जाएं। जनपद के अंतर्गत संचालित बाढ़ सुरक्षा परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि यमुना नदी के दाहिने किनारे स्थित ग्राम समूह गुड़ा, हिम्मतपुर एवं शिवगंज को बाढ़ से सुरक्षा प्रदान करने हेतु लगभग 997.92 लाख रुपये की लागत से बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य कराए जा रहे हैं, जिनमें लॉन्चिंग एप्रन एवं ।छ्क्क्ष बैग विद ह्त्र्ष्ट से संबंधित कार्य शामिल हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ प्रबंधन केवल विभागीय कार्य नहीं बल्कि जनसुरक्षा से जुड़ा संवेदनशील दायित्व है। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी बीरेंद्र सिंह, समस्त उप जिलाधिकारी, अधिशाषी अभियंता सिचाई धर्म घोष, महेंद्र सिंह सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम ने स्वयं की स्व-गणना कर दिया संदेश, आज से जनपद में शुरू हुआ स्व-गणना अभियान

घर बैठे ऑनलाइन करें जनगणना, सही जानकारी से मजबूत होगी विकास की नींव

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। भारत सरकार द्वारा संचालित जनगणना 2027 के अंतर्गत स्व-गणना अभियान आज 07 मई 2026 से जनपद जालौन में प्रारंभ हो गया। अभियान की शुरुआत के साथ ही जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने स्वयं ऑनलाइन माध्यम से अपनी स्व-गणना कर जनपदवासियों को जनगणना प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने का संदेश दिया।

जिलाधिकारी ने बताया कि स्व-गणना अभियान 07 मई से 21 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। नागरिक भारत सरकार के आधिकारिक पोर्टल ह्यद्ग.ष्द्गठ्ठ-ह्यह्वह्य.द्दश1.द्बठ्ठ पर मोबाइल नंबर के माध्यम से ओटीपी सत्यापन कर घर बैठे अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि देश और समाज के समग्र विकास का आधार है। सही जानकारी के आधार पर ही सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, आवास, रोजगार एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रभावी रूपरेखा तैयार करती है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जनगणना को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि स्व-गणना करते समय परिवार से संबंधित सभी जानकारियां सावधानीपूर्वक एवं सही-सही दर्ज करें। विशेष रूप से परिवार द्वारा सर्वाधिक उपयोग किए जाने वाले मुख्य अनाज का विवरण सही भरें, ताकि भविष्य की योजनाओं का बेहतर आकलन किया जा सके। स्व-गणना पूर्ण होने के बाद प्रत्येक परिवार को एक एस ई आईडी प्राप्त होगी, जिसे सुरक्षित रखना अनिवार्य होगा। बाद में जब प्रगणक घर पहुंचेगा तो नागरिकों को वही स्श्व द्बष्ठ दिखानी होगी, जिसके आधार पर जानकारी का सत्यापन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा सहायता के लिए जनगणना हेल्पलाइन नंबर 1855 पर संपर्क किया जा सकता है। जनपद प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक लोग स्व-गणना प्रक्रिया से जुड़ सकें। प्रशासन का लक्ष्य है कि जनपद जालौन जनगणना-2027 में प्रदेश के अग्रणी जनपदों में अपनी मजबूत पहचान स्थापित करे।

डीएम के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने की मिलावट खोरों पर कार्यवाही

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन लखनऊ, उ. प्र. एवं जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के आदेशानुसार सहायक आयुक्त (खाद्य) जालौन डॉ. जतिन कुमार सिंह के नेतृत्व में बाजारों में बिक्री किए जा रहे खाद्य तेल, घी पर आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन जनपद जालौन की टीम द्वारा मिलावटी खाद्य पदार्थों की रोकथाम के लिए टीम द्वारा कालपी तहसील के टर्नन गंज कालपी पर स्थित दीपक ट्रेडर्स के प्रतिष्ठान से खाद्य पदार्थ पामोलीन ऑयल रुचि गोल्ड का नमूना, जालौन तहसील के ज्वालागंज पर स्थित पुरवार एंड संस के प्रतिष्ठान से खाद्य पदार्थ वनस्पति का नमूना, राम मोहन के प्रतिष्ठान से खाद्य पदार्थ पारस घी, बृज नारायण कुलदीप कुमार से प्रतिष्ठान से खाद्य पदार्थ रिफाइंड पामोलीन तेल ब्रांड राग गोल्डका नमूना संग्रहित किया। साथ ही कोच तहसील के मियां गंज कोंच में स्थित राकेश कुमार मित्तल के प्रतिष्ठान से खाद्य पदार्थ रिफाइंड सोयाबीन ऑयल महाकोष का नमूना संग्रहित कर परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजा गया। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत दोषी पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत विधिक कार्यवाही की जाएगी। विभागीय टीम द्वारा यह अभियान लगातार जारी है और त्योहारों तक जिले के विभिन्न बाजारों में निरीक्षण चलता रहेगा। इस अवसर पर सहायक आयुक्त (खाद्य) जतिन कुमार सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार राय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी कन्हैया लाल यादव, सुनील कुमार, महेश प्रसाद उपस्थित रहें।

गोवंश संरक्षण को मिली नई ताकत, स्वयं सहायता समूहों व संस्थाओं को और सौंपी गई गौशालाओं की जिम्मेदारी

गौ-सेवा आयोग के अध्यक्ष बोले गौसेवा केवल दायित्व नहीं, भारतीय संस्कृति और संवेदनाओं का प्रतीक

-मुख्यमंत्री के विजन को साकार कर रहा जनपद

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद में गोवंश संरक्षण एवं गौशालाओं के बेहतर संचालन को नई दिशा देते हुए अध्यक्ष उ. प्र. गो-सेवा आयोग श्याम बिहारी गुप्ता, सदस्य उ. प्र. गो-सेवा आयोग राजेश सिंह सेंगर तथा जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्थायी एवं अस्थायी गो-आश्रय स्थलों का संचालन विभिन्न स्वयं सहायता समूहों, संस्थाओं एवं एनजीओ को हस्तांतरित किया। कार्यक्रम में चयनित संस्थाओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर गौशालाओं के संचालन की औपचारिक जिम्मेदारी सौंपी गई।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी माता महिला स्वयं सहायता समूह को ग्राम ऐंधा-पुर गौशाला, पलक स्वयं सहायता समूह को ग्राम रामपुर ऐरी गौशाला, सेवा संकल्प को बोहदपुरा-कुकुरगांव गौशाला, बांके बिहारी स्वयं सहायता समूह को छौक गौशाला, गिरवा स्वयं सहायता समूह को पारासन गौशाला, मां संकटा स्वयं सहायता समूह को मरगंयाँ-गर्रेही गौशाला, ओरछा धाम संस्था को ग्राम अंडा गौशाला, मां जगत जननी सेवा समिति को कैंथी गौशाला, भारतीय मानवाधिकार फाउंडेशन को राजीपुरा गौशाला, जय मां काली महिला स्वयं सहायता समूह को गौवंश वन्य विहार ग्राम ऐबरा, आनंदी महिला स्वयं सहायता समूह को गधेला गौशाला, जय सिद्ध बाबा महिला स्वयं सहायता समूह को बम्होरा गौशाला, अन्ना चैरिटेबल फाउंडेशन को ग्राम हीरापुर जुगराजपुर गौशाला तथा यशोदा गौशाला सेवा संस्थान को मुहाना गौशाला का संचालन सौंपा गया। अध्यक्ष गो-सेवा आयोग श्याम बिहारी गुप्ता ने कहा कि प्रदेश सरकार गौवंश संरक्षण के लिए निरंतर संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गौशालाओं के संचालन में स्वयं सहायता समूहों और सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी से व्यवस्थाएं और अधिक मजबूत होंगी तथा गौवंशों को बेहतर संरक्षण एवं देखभाल मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति, आस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है, इसलिए सभी संस्थाएं पूरी निष्ठा एवं सेवा भाव से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। सदस्य गो-सेवा आयोग राजेश सिंह सेंगर ने कहा कि गौशालाओं के प्रभावी संचालन से निराश्रित गोवंश की समस्या में कमी आएगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और सामाजिक सहभागिता को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि प्रत्येक गो-आश्रय स्थल सुव्यवस्थित, स्वच्छ और आत्मनिर्भर मॉडल के रूप में विकसित हो। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि जनपद में गोवंश संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं संस्थाओं को निर्देशित किया कि गौशालाओं में चारा, पानी, छाया, साफ-सफाई एवं चिकित्सीय सुविधाएं नियमित रूप से सुनिश्चित की जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों एवं संस्थाओं की सहभागिता से गौशालाओं के संचालन में पारदर्शिता और गुणवत्ता दोनों सुनिश्चित होंगी। उन्होंने सभी संस्थाओं से अपेक्षा की कि वे सेवा भाव के साथ गोवंशों की देखभाल करें और गौशालाओं को आदर्श मॉडल के रूप में विकसित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, डीसी मनरेगा रामेन्द्र सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी मनोज अवस्थी, डीडीओ निशान्त पाण्डेय, स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पांच कुंडीय यज्ञ की जल यात्रा धूमधाम से सम्पन्न, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

(यंग भारत न्यूज)

अमखेड़ा जालौन। क्षेत्र के ग्राम अमखेड़ा में आयोजित होने वाले पांच कुंडीय महायज्ञ के शुभ अवसर पर बुद्धवार को भव्य कलश यात्रा बड़े ही श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गई। कलश यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में रंग गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात:काल वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके बाद गांव की महिलाओं ने सिर पर सजे-धजे कलश रखकर कलश यात्रा की अगुवाई की। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में भजन-कीर्तन करते हुए चल रही थीं, वहीं युवा एवं अन्य श्रद्धालु 'जय श्री राम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष के साथ वातावरण को गूंजायमान कर रहे थे। कलश यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों—मुख्य चौराहा, मंदिर मार्ग, बाजार क्षेत्र एवं विभिन्न मोहल्लों से होती हुई यज्ञ स्थल तक पहुंची। जगह-जगह ग्रामवासियों द्वारा पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए शीतल जल एवं जलपान की व्यवस्था भी की गई, जिससे यात्रा में शामिल लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। यज्ञ स्थल पर पहुंचने के बाद कलशों का विधिवत पूजन किया गया तथा आचार्यगणों द्वारा यज्ञ की तैयारियां प्रारंभ की गईं। आयोजक समिति के अनुसार यह पांच कुंडीय महायज्ञ आगामी दिनों में विधिवत रूप से संपन्न होगा, जिसमें प्रतिदिन हवन, पूजन, भागवद कथा,प्रवचन, रामलीला एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यज्ञ का उद्देश्य क्षेत्र में सुख-समृद्धि, शांति, सद्भाव एवं पर्यावरण की शुद्धि स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि इस धार्मिक अनुष्ठान से न केवल आध्यात्मिक लाभ मिलता है, बल्कि समाज में एकता और भाईचारे की भावना भी मजबूत होती है।

क्षेत्रवासियों से अपील

आयोजक समिति ने समस्त क्षेत्रवासियों, धर्मप्रेमी जनों एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में यज्ञ स्थल पर पहुंचकर इस पुण्य कार्य में सहभागी बनें और यज्ञ, भागवद कथा, रामलीला,प्रवचन एवं भंडारे का लाभ उठाएं। साथ ही सभी से अनुरोध किया गया है कि कार्यक्रम की गरिमा बनाए रखें एवं व्यवस्था में सहयोग प्रदान करें। अंत में समिति ने सभी सहयोगियों, ग्रामवासियों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग की अपेक्षा की।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गोहन पुलिस अलर्ट, थाना प्रभारी सतीश कुमार ने पुलिस फोर्स के साथ किया पैदल मार्च

(यंग भारत न्यूज)

गोहन / जालौन। जनपद जालौन के गोहन थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने एवं आमजन में सुरक्षा का विश्वास कायम करने के उद्देश्य से थाना प्रभारी सतीश कुमार ने मय पुलिस फोर्स के साथ कस्बे में पैदल गश्त किया। गश्त के दौरान पुलिस टीम गोहन स्टैंड, मुख्य बाजार, बस स्टैंड एवं अन्य प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। पुलिस की मौजूदगी से क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल देखने को मिला।

इस दौरान गोहन स्टैंड पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग अभियान भी चलाया गया। पुलिसकर्मियों ने दोपहिया और चारपहिया वाहनों की जांच करते हुए वाहन चालकों से आवश्यक पूछताछ की तथा दस्तावेजों की जांच की। वहीं संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी गई। थाना प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार पैदल गश्त और चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है तथा क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। गश्त के दौरान पुलिस टीम ने स्थानीय दुकानदारों एवं नागरिकों से संवाद कर किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। पुलिस की इस सक्रिय कार्यवाही से स्थानीय लोगों में सुरक्षा का विश्वास मजबूत हुआ है तथा लोगों ने गोहन पुलिस की मुस्तैदी की सराहना की।

शिवसेना शिंदे गुट ने शहीद पुलिसकर्मियों को दी श्रद्धांजलि, कैंडल जलाकर रखा मौन

(यंग भारत न्यूज)

उरई, जालौन। हरियाणा के नूंह में सड़क हादसे में शहीद हुए जालौन के चार पुलिसकर्मियों को गुरुवार को शिवसेना शिंदे गुट एवं एनडीए गठबंधन के पदाधिकारियों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। नगर के गांधी चबूतरा पर कैंडल जलाकर शहीद जवानों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई और दो मिनट का मौन रखा गया।

- **गांधी चबूतरा पर कैंडल जलाकर दी श्रद्धांजलि**
- **शहीद पुलिसकर्मियों की आत्मा की शांति के लिए रखा मौन**

श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि हरियाणा में दबिश देने गई जालौन पुलिस टीम के उपनिरीक्षक मोहित यादव, उपनिरीक्षक सत्यपाल सिंह तथा सिपाही प्रदीप और अशोक की शहादत ने पूरे जनपद ही नहीं बल्कि प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि देश और समाज की सुरक्षा में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए जान गंवाने वाले ऐसे वीर सपूतों की कमी हमेशा महसूस की जाएगी। कार्यक्रम में शहीद जवानों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उनके साहस और बलिदान को नमन किया गया। इस दौरान सत्यम सक्सेना झांसी मंडल प्रभारी, मिथलेश कुमार झांसी मंडल उपाध्यक्ष, कृष्ण कुमार आर्य जिलाध्यक्ष, एडवोकेट संजय शर्मा, वरिष्ठ डॉ. जगदीश कठेरिया, अरविंद कुमार राजपूत नगर अध्यक्ष उरई, शेखर चौधरी, हरी सिंह राजपूत, मंगल सिंह, संदीप कुमार, संजय चौहान, कन्हैयालाल समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने में जुटा अपना दल (एस), जोन अध्यक्षों का हुआ सम्मान

(यंग भारत न्यूज)

उरई। आगामी राजनीतिक गतिविधियों को देखते हुए अपना दल (एस) ने जनपद जालौन में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है। गुरुवार को जिला कार्यालय में आयोजित संगठनात्मक बैठक में नवनियुक्त जोन अध्यक्षों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। बैठक में संगठन विस्तार और जमीनी पकड़ मजबूत करने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव ओंकार सिंह ठाकुर ने कहा कि पार्टी की नीतियों और विचारों को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए मजबूत संगठन बेहद जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ जनता के बीच जाने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी ने कहा कि पार्टी अब बूथ स्तर तक अपनी सक्रिय इकाइयां तैयार करेगी। जल्द ही सेक्टर अध्यक्षों की नियुक्ति कर संगठन को और धार दी जाएगी, जिससे पार्टी की पकड़ हर गांव और मोहल्ले तक मजबूत हो सके। बैठक में संगठन की मजबूती को लेकर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस दौरान प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रोहित राठौर, जिला महासचिव श्यामसुंदर कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष रविकांत कुशवाहा, पवन गुप्ता, नगर अध्यक्ष रामबाबू कुशवाहा, छात्र संघ के जिलाध्यक्ष प्रांजुल पटेल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में कालपी के शाहजहांपुर गांव में युवक ने फांसी लगाकर दी जान, परिवार में मचा कोहराम

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपद के कालपी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम शाहजहांपुर में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के बाहर एक आम के पेड़ पर 20 वर्षीय युवक का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई तथा मृतक के परिवार में कोहराम मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान राकेश कुशवाहा पुत्र महेंद्र सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि राकेश मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में हाथ बंटाता था। परिजनों के मुताबिक वह बुधवार को खेत में काम करने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। काफी इंतजार के बाद परिवार के लोगों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका। गुरुवार सुबह गांव के कुछ लोग खेतों की ओर जा रहे थे, तभी उनकी नजर गांव के बाहर स्थित एक आम के पेड़ पर फंदे से लटके युवक के शव पर पड़ी। यह दृश्य देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। तत्काल इसकी सूचना परिजनों और पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए और शव देखकर बदहवास हो उठे। मां-बाप और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर कालपी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। प्रारंभिक तौर पर आत्महत्या का मामला माना जा रहा है, हालांकि युवक द्वारा यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया गया, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आ सका है। ग्रामीणों के अनुसार राकेश शांत स्वभाव का युवक था और मजदूरी कर अपने परिवार की मदद करता था। उसकी असमय मौत से पूरे गांव में शोक व्याप्त है।

जोनल पुलिस फुटबाल (महिला/पुरुष) प्रतियोगिता-2026 का शुभारंभ

(यंग भारत न्यूज)

उरई। पुलिस अधीक्षक जालौन एवं अपर पुलिस अधीक्षक जालौन की उपस्थिति में पुलिस लाइन उरई में आयोजित अंतर्जनपदीय जोनल पुलिस फुटबाल (महिला/पुरुष) प्रतियोगिता-2026 का शुभारंभ किया गया तथा पुलिस अधीक्षक जालौन द्वारा खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त करते हुए खेल भावना से खेलनें हेतु प्रेरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया ।

हाईकोर्ट से उम्रकैद बरकरार रहने के बाद निराश वृद्ध ने फांसी लगाकर दी जान

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जनपद के सिरसा कलार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पिथऊपुर में एक 70 वर्षीय वृद्ध द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटना से गांव में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि वृद्ध वर्ष 1984 में हुए चर्चित दोहरे हत्याकांड का आरोपी था और हाल ही में हाईकोर्ट द्वारा निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखे जाने के बाद से वह मानसिक तनाव में चल रहा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान अमर सिंह पुत्र स्वर्गीय बाबूलाल के रूप में हुई है। बताया गया है कि वर्ष 1984 में हुए दोहरे हत्याकांड मामले में निचली अदालत ने अमर सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसके बाद उसने फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दाखिल की थी, जहां से उसे जमानत मिल गई थी और वह लंबे समय से जमानत पर बाहर चल रहा था। बताया जा रहा है कि दो दिन पूर्व हाईकोर्ट ने निचली अदालत द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा। फैसले की जानकारी मिलने के बाद से अमर सिंह काफी परेशान और तनावग्रस्त रहने लगा था। गुरुवार को उसने अपने ट्यूबवेल के बाहर लगे पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने वृद्ध का शव पेड़ से लटका देखा तो चीख-पुकार मच गई। सूचना पर सिरसा कलार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार अदालत के फैसले के बाद से वृद्ध काफी गुमसुम रहने लगा था। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और चर्चा का माहौल बना हुआ है।

सिंधी समाज का भविष्य सपा में सुरक्षित - अमृत राजपाल

उरई में बैठक, कार्यकर्ताओं से 2027 में सपा को जिताने का आह्वान

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन),। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व राज्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के नेता अमृत राजपाल ने कहा कि सिंधी समाज का हित समाजवादी पार्टी में ही सुरक्षित है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव 2027 में पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया।

मंडपम सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में सिंधी समाज की लगातार अनदेखी हो रही है। सिंधी अकादमी में बीते चार वर्षों से किसी भी व्यक्ति की नियुक्ति नहीं हुई है। उन्होंने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल में सिंधी समाज के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए। इस दौरान अमृत राजपाल ने अपनी लिखित पुस्तक 'राजनीति के मर्यादा पुरुष श्री अखिलेश' समाज के लोगों को भेंट की। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्यामलाल कालरा ने की। बैठक में उनका सिंधी समाज की ओर से भव्य स्वागत भी किया गया। उन्होंने कहा कि सपा शासनकाल में सिंधी अकादमी का बजट बढ़ाया गया, सिंधी विषय की पढ़ाई शुरू कराई गई और समाज के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया गया। वर्तमान में प्रदेश में सिंधी समाज का कोई विधायक या सांसद नहीं है, जिसे बदलने की जरूरत है। बैठक में मोहनलाल रावलानी, कमल राज देव, दिनेश बलेचा, जीतू अंदानी, किशन बाबानी, कपिल आहूजा, भगत मेगवानी, चेतन दास बिंदरानी, लक्ष्मण कदौरा, जगदीश दरयानी, भिमन वरयानी, अनिल लाहोरी समेत कई लोग मौजूद रहे।

मंगेतर के सामने गैंगरेप किया. बबलू सिंह उर्फ 'भूत' को पुलिस ने किया दोनों से पैर से लंगड़ा

(यंग भारत न्यूज)

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में मंगेतर के साथ घूमने गई युवती से गैंगरेप के सनसनीखेज मामले में फरार चल रहे एक लाख रुपये के इनामी आरोपी बबलू सिंह उर्फ 'भूत' को पुलिस ने मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार कर लिया है।

एनकाउंटर के दौरान आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के इस कार्रवाई को 'हाफ एनकाउंटर' बताया जा रहा है, जिसमें आरोपी ने पहले फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई।

24 अप्रैल को हुई थी दर्दनाक वारदात

पुलिस के अनुसार, यह घटना 24 अप्रैल की है, जब खागा कोतवाली क्षेत्र के ससुर खदेरी नदी के पास एक युवती अपने मंगेतर के साथ घूमने गई थी। इसी दौरान आरोपी बबलू सिंह और उसके साथियों ने दोनों को घेर लिया और युवती के साथ गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने पीड़िता और उसके मंगेतर के साथ मारपीट भी की और मौके से फरार हो गए थे। घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया था।

पहले ही दो आरोपी हो चुके हैं गिरफ्तार

इस मामले में पुलिस ने पहले ही दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि मुख्य आरोपी बबलू सिंह पिछले 12 दिनों से फरार चल रहा था। उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था और पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी थी।

मुठभेड़ में घायल हुआ मुख्य आरोपी

पुलिस को सूचना मिली थी कि बबलू सिंह खागा क्षेत्र में छिपा हुआ है। इसके बाद पुलिस टीम ने इलाके में घेराबंदी कर छापेमारी की। इस दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके दोनों पैरों में लगी, जिससे वह मौके पर ही घायल हो गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

हथियार और नकदी बरामद

पुलिस ने आरोपी के पास से एक तमंचा, कारतूस और लगभग 1600 रुपये नकद बरामद किए हैं। घायल आरोपी को उपचार के लिए फतेहपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास

पुलिस अधिकारियों के अनुसार बबलू सिंह का आपराधिक इतिहास लंबा है और उसके खिलाफ पहले से कई गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस अब उसके अन्य साथियों की तलाश कर रही है जो इस वारदात में शामिल थे।

घटना के बाद बढ़ा था आक्रोश और सियासत

इस घटना के बाद इलाके में लोगों में भारी आक्रोश था और लगातार प्रदर्शन की स्थिति बनी हुई थी। स्थानीय लोगों और परिजनों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए जल्द गिरफ्तारी की मांग की थी। पीड़िता ने भी कुछ दिन पहले पुलिस पर कार्रवाई में देरी का आरोप लगाया था, जिसके बाद मामला और गरमा गया था। राजनीतिक स्तर पर भी इस घटना को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया था और पुलिस पर दबाव बढ़ गया था। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि मामले की जांच जारी है और यदि अन्य आरोपी भी इसमें शामिल पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

एक ही रात में प्रीपेड से पोस्टपेड हो जाएंगे यूपी के 75 लाख स्मार्ट मीटर, जानिए आपके बचे बैलेंस का क्या होगा?

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है. सरकार ने प्रीपेड स्मार्ट मीटर की व्यवस्था ख़त्म कर दिया है. अब करीब 75 लाख प्रीपेड स्मार्ट मीटर एक ही रात में पोस्टपेड हो जाएंगे.यह प्रक्रिया 9 मई की रात शुरू होकर 10 मई तक पूरी कर ली जाएगी. दरअसल, बिजली उपभोक्ताओं को हो रही समस्याओं और उनके बढ़ते हुए आक्रोश को देखते हुए यह फैसला लिया है. उपभोक्ताओं की कई शिकायतें थी, जैसे बिना वजह बैलेंस कटना, मीटर तेज चलना और ज्यादा बिल आना. अब पोस्टपेड मीटर होने के बाद उपभोक्ताओं को मासिक खपत के आधार पर बिल मिलेगा और प्रीपेड रिचार्ज की जरूरत नहीं रहेगी. अब इस बदलाव के बाद उपभोक्ताओं को चिंता है कि उनके रिचार्ज बैलेंस का क्या होगा. बता दें कि अपने बचे हुए बैलेंस को लेकर कोई चिंता करने की जरूरत नहीं है. प्रीपेड मीटर लो शेष राशि अगले महीने के पहले पोस्टपेड बिल में समायोजित कर दी जाएगी. बिल में यह राशि अलग से दिखाई जाएगी. मीटर पोस्टपेड होने के बाद विभाग उपभोक्ताओं से सिक्योरिटी राशि वसूलेगा, जिसे बिल में शामिल किया जाएगा. बड़े उपभोक्ताओं से यह राशि चार किस्तों में भी ली जा सकती है.

हर महीने की 10 तारीख को आएगा बिल

मीटर पोस्टपेड होने के बाद उपभोक्ताओं को हर महीने की 10 तारीख को बिजली का बिल मिलेगा. उपभोक्ता को बिल जमा करने के लिए 15 दिन का वक्त मिलेगा. बिल ना जमा करने की स्थिति में कनेक्शन खुद ही कट जाएगा.

स्मार्ट मीटर पर सवाल

हालांकि, उत्तर प्रदेश बिजली उपभोक्ता परिषद ने स्मार्ट मीटरों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं. परिषद का कहना है कि 2019-2022 में लगाए गए मीटरों में जो समस्याएं थीं जैसे एसएमएस में देरी, चेक मीटर में गड़बड़ी, ज्यादा लोडिंग आदि, वे नई मीटरों में भी बनी हुई हैं. यह बदलाव उत्तर प्रदेश में बिजली व्यवस्था को और बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है.

सुवेंदु बोले- मैंने ममता को हराया, इसीलिए पीए की हत्या

कोलकाता। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि उनके पर्सनल असिस्टेंट चंद्रनाथ रथ की हत्या इसलिए हुई क्योंकि उन्होंने ममता को हराया है। सुवेंदु ने कहा- इस हत्या को जिस तरह से अंजाम दिया गया, उसकी जितनी भी निंदा करें वह कम है। हत्या की वजह भवानीपुर से ममता की हार हो सकती है। उधर चंद्रनाथ की मां ने कहा कि इस हार का बदला मेरे बेटे की हत्या कर लिया गया। कुछ नेताओं ने पहले धमकी दी थी कि 4 तारीख के बाद कोई बचा नहीं पाएगा।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि रथ को चार गोलियां लगीं थीं। इस मामले में पुलिस ने 3 लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं हत्या में इस्तेमाल की गई बाइक मिल गई है। चंद्रनाथ की हत्या बुधवार देर रात 10.30 बजे की गई थी। वे कोलकाता से मध्यमग्राम अपने घर लौट रहे थे। कोलकाता से करीब 20 कि0मी0 दूर डोलतला में एक कार रथ की स्कॉर्पियो के सामने खड़ी हो गई। इसी बीच बाइक पर आए हमलावरों ने 6 से 10 राउंड फायरिंग की। दो गोलियां चंद्रनाथ के सीने से आर-पार हो गईं। एक गोली पेट में लगी। उनके ड्राइवर बुद्धदेब बेरा को भी गोली लगी। हत्या के बाद हमलावर कार छोड़कर बाइक से फरार हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चंद्रनाथ को मृत घोषित कर दिया। उनके ड्राइवर का इलाज जारी है। फोरेंसिक जांच के शुरूआती इनपुट के मुताबिक, हमलावरों ने ग्लॉक 47 पिस्टल का इस्तेमाल किया था। इस मॉडर्न हथियार का इस्तेमाल आम अपराधी नहीं करते। ऐसे हमले को कोई प्रोफेशनल शूटर ही अंजाम दे सकता है।बाइक सवार हमलावर हेलमेट पहने हुए था और बाइक पर नंबर प्लेट नहीं थी। पुलिस ने मौके से वह कार जब्त की है, जिससे स्कॉर्पियो का रास्ता रोका गया था। हालांकि, उस पर लगी नंबर प्लेट फर्जी निकली। चंद्रनाथ रथ पर फायरिंग के करीब 1 घंटे बाद रात करीब 12.30 बजे बशीरहाट जिले में रोहित रॉय नाम के भाजपा कार्यकर्ता पर फायरिंग हुई। उनकी हालत गंभीर है। राज्य में 4 मई को चुनावी नतीजों के बाद अब तक 5 लोगों की हत्या हो चुकी है। इनमें 3 भाजपा और 2 टीएमसी से जुड़े थे। सुवेंदु अधिकारी ने पीए की हत्या को प्लान्ड मर्डर बताया है। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से शांति बनाए रखने की अपील की और कहा कि भाजपा बंगाल में गुंडों की सफाई का काम शुरू करेगी।

देवर ने भाभी के साथ ये क्या किया, आधी रात मच गई चीख-पुकार; पति भी कुछ न कर सका

(यंग भारत न्यूज)

न्यायालय के आदेश पर ससुराल पहुंची विवाहिता ने देवर पर कमरे में घुसकर दुष्कर्म के प्रयास और मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस आयुक्त के निर्देश के बाद ताजगंज थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पति से विवाद के बाद न्यायालय के आदेश पर ससुराल लौटी एक विवाहिता ने अपने ही देवर पर दुष्कर्म के प्रयास का गंभीर आरोप लगाया है। इस संबंध में पुलिस आयुक्त के निर्देश पर थाना ताजगंज में प्राथमिकी दर्ज की गई है। घटना ने ससुराल में महिलाओं की सुरक्षा पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। नाई की मंडी इलाके की रहने वाली विवाहिता ने अपनी शिकायत में बताया कि उसका विवाह ताजगंज क्षेत्र के एक युवक से हुआ था। शादी के कुछ समय बाद ही पति और ससुराल पक्ष दहेज की मांग करने लगे और इसी बात को लेकर उन्होंने विवाहिता को घर से निकाल दिया। ये खबर आप गज़ब वायरल में पढ़ रहे हैं। इसके बाद, विवाहिता ने न्यायालय में घरेलू हिंसा और भरणपोषण के लिए वाद दायर किया था। न्यायालय ने मामले की सुनवाई करते हुए विवाहिता को प्रतिमाह 2500 रुपये भरणपोषण देने और उसे अपनी साझी गृहस्थी में रहने की अनुमति दी थी। इसी आदेश के अनुपालन में, 23 अप्रैल की दोपहर पुलिस विवाहिता को उसके ससुराल छोड़कर आई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसी रात जब वह अपने कमरे में थी, तब उसका देवर वहां घुस आया। आरोप है कि देवर ने उसके साथ अश्लील हरकतें कीं और दुष्कर्म का प्रयास किया। इसी बीच, विवाहिता के पति के विरोध करने पर देवर ने पीड़िता और उसके पति दोनों के साथ मारपीट की। विवाहिता ने यह भी आरोप लगाया है कि देवर ने उसका गला दबाया और उसके सिर के बाल भी उखाड़ दिए। जान बचाकर भागी विवाहिता ने शोर मचाया, जिसके बाद सास और जेठ मौके पर पहुंचे। विवाहिता का आरोप है कि पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बावजूद शुरू में उसकी सुनवाई नहीं हुई। अंततः, पुलिस आयुक्त के हस्तक्षेप के बाद थाना ताजगंज में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

हिडन कैमरा, नशीली ड्रिंक और निशाने पर 80 हिंदू महिलाएँ: पढ़िए कैसे 'फिटनेस' के नाम पर डॉक्टर का रेप करने वाले अकरम-आलम ने बुना था 'जिम' जाल, कबूला- औरों को भी फँसाने का था प्लान बरेली में अकरम-आलम के जिम में 80 हिंदू महिलाएँ आती थी, लेकिन एक भी महिला ट्रेनर वहाँ नहीं थी। हिडन कैमरे में वे महिलाओं का रेप कर वीडियो बनाते। उत्तर प्रदेश के बरेली में जो हुआ, वह सिर्फ एक जुर्म नहीं बल्कि भरोसे का कत्ल है। अल्टीमेट फिटनेस जिम' के मालिक अकरम बेग और उसके भाई आलम ने एक पढ़ी-लिखी हिंदू महिला डॉक्टर को अपना शिकार बनाकर जिम जाने वाली सभी महिलाओं को डर में डाल दिया है। दो साल तक टॉर्चर और पैसों की लूट सहने के बाद, जब डॉक्टर ने हिम्मत दिखाई और पुलिस के पास गईं, तब जाकर इस घिनौनी साजिश का पर्दाफाश हुआ। अब जानते हैं कि कैसे वजन घटाने के बहाने ये दोनों भाई हिंदू महिलाओं के साथ गंदा खेल खेल रहे थे।

फिटनेस का झांसा और 'नशीली ड्रिंक' की साजिश

बरेली के नामी इलाके सिविल लाइंस में 'अल्टीमेट फिटनेस जिम' पिछले 10 साल से चल रहा था। यहाँ शहर की बड़ी और रसूखदार महिलाएँ कसरत के लिए आती थीं, जिनमें करीब 80 हिंदू महिलाएँ थीं। जिम का मालिक अकरम बेग खुद को एक बड़ा प्रोफेशनल ट्रेनर बताता था। उसने एक 40 साल की महिला डॉक्टर को झांसा दिया कि वह उनका वजन बहुत जल्दी घटा देगा। एक सोची-समझी साजिश के तहत, अकरम बेग उस डॉक्टर को रोज कसरत से पहले एक खास ड्रिंक (प्री-वर्कआउट ड्रिंक) पिलाता था। वह चुपके से उस ड्रिंक में नशीली दवा मिला देता था। ड्रिंक पीते ही जब डॉक्टर बेहोश होने लगतीं, तो अकरम बेग उन्हें जिम के एक कोने में बने गुप्त कमरे में ले जाता था, जहाँ किसी और को जाने की इजाजत नहीं थी। इसी कमरे में अकरम ने डॉक्टर के साथ रेप किया। इस जुर्म में अकरम का भाई आलम भी पूरा साथ देता था। आलम ही नशीली दवाएँ लाकर देता था और कमरे के बाहर पहरा देता था ताकि कोई अंदर न आ सके। इन आरोपितों का मकसद सिर्फ डॉक्टर को परेशान करना नहीं था, बल्कि वे इसे पैसा कमाने का रास्ता बना चुके थे। जिम के उस गुप्त कमरे में उन्होंने छिपे हुए कैमरे (हिडन कैमरे) लगा रखे थे। जब अकरम डॉक्टर के साथ गलत काम करता, तब उसका भाई आलम मोबाइल और सीसीटीवी की मदद से गंदी वीडियो बना लेता था। उन्होंने ये सारी वीडियो दो अलग पेन ड्राइव और अपने मोबाइल में छिपाकर रखी थीं। जब डॉक्टर को इस बात का पता चला और उन्होंने जिम जाना बंद कर दिया, तब अकरम अपनी असलियत पर उतर आया। उसने डॉक्टर को उनकी Nude वीडियो दिखाई और चुप रहने के बदले 10 लाख रुपए माँगे। डॉक्टर इतनी डर गईं कि उन्होंने 80 हजार रुपए दे भी दिए, लेकिन अकरम का लालच बढ़ता ही गया। उसने बाद में 50 लाख रुपए माँगे और धमकी दी कि अगर पैसे नहीं मिले, तो वह वीडियो इंटरनेट पर डाल देगा और उनके पति व बच्चों को मार डालेगा। उसने यहाँ तक कह दिया कि डॉक्टर अपना 90 लाख का प्लॉट बेचकर उसे पैसे लाकर दें।

'सिर्फ हिंदू महिलाएँ' और मजहबी एंगल

सबसे डराने वाली बात तो यह है कि इस जिम में करीब 80 हिंदू महिलाएँ आती थीं, लेकिन वहाँ उन्हें सिखाने के लिए एक भी महिला ट्रेनर नहीं थी। अकरम और उसके भाई ने जानबूझकर ऐसा इंतजाम कर रखा था ताकि वे अकेली महिलाओं को अपना निशाना बना सकें। हिंदू महासभा के नेताओं ने इसे 'जिम जिहाद' कहा है और आरोप लगाया है कि जिम चलाने के नाम पर हिंदू महिलाओं को फँसाया जा रहा था। जब पुलिस ने दोनों को पकड़ा और जिम की तलाशी ली, तो वहाँ से कई चौंकाने वाली चीजें मिलीं। वहाँ सिर्फ गंदी वीडियो ही नहीं थीं, बल्कि भारी मात्रा में नशीली और ताकत बढ़ाने वाली दवाएँ, इंजेक्शन और सुइयाँ भी बरामद हुईं। अकरम खुद को जवान और हैंडसम दिखाने के लिए नकली बाल (विग) लगाता था, ताकि महिलाएँ उस पर आसानी से भरोसा कर सकें। पुलिस को शक है कि अकरम और उसके भाई ने कई और महिलाओं को भी अपनी जाल में फँसाया होगा, जो बदनामी के डर से चुप बैठी हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला-हर धार्मिक प्रथा को चुनौती ठीक नहीं : इससे धर्म और समाज दोनों टूट जाएंगे, अदालतों में सैकड़ों केस आएंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि अगर लोग धार्मिक प्रथाओं और धर्म के मामलों को अदालत में चुनौती देने लगेंगे, तो इससे धर्म और समाज पर असर पड़ सकता है। कोर्ट ने कहा कि इससे सैकड़ों याचिकाएं आएंगी और हर रिवाज पर सवाल उठने लगेंगे।

यह टिप्पणी नौ जजों की संविधान पीठ ने की, जो अलग-अलग धर्मों में धार्मिक आजादी के दायरे और महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रही है। इसमें केरल के सबरीमाला मंदिर से जुड़ा मामला और दाऊदी बोहरा समुदाय का केस भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़ी 40 साल पुरानी जनहित याचिका की वैधता पर सवाल उठाए थे। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर हर व्यक्ति धार्मिक प्रथाओं पर सवाल उठाएगा, तो भारतीय समाज पर असर पड़ेगा, क्योंकि यहां धर्म समाज से गहराई से जुड़ा है। उन्होंने कहा, हर अधिकार पर सवाल उठेंगे-मंदिर खुलने या बंद होने तक के मामले कोर्ट में आएंगे। कोर्ट की यह टिप्पणी दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़ी 40 साल पुरानी याचिका पर आई। जस्टिस एमएम सुन्द्रेश ने कहा कि अगर ऐसे विवादों को लगातार अनुमति दी गई, तो हर व्यक्ति हर चीज पर सवाल उठाएगा। इससे धर्म टूट सकते हैं और अदालतों पर भी असर पड़ेगा। सुधारवादी दाऊदी बोहरा समूह की ओर से वकील राजू रामचंद्रन ने कोर्ट में दलील दी कि अगर कोई प्रथा सामाजिक या निजी कारणों से जुड़ी है, तो उसे संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत धार्मिक सुरक्षा नहीं मिलनी चाहिए। कोई भी प्रथा अगर मौलिक अधिकारों पर नकारात्मक असर डालती है, तो उसे सीमित किया जा सकता है। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि यह तय करना जरूरी है कि धार्मिक प्रथाओं पर सवाल कहां और कैसे उठाए जाएं। क्या यह समुदाय के भीतर होना चाहिए या राज्य या कोर्ट को दखल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान उसकी विविधता और सभ्यता से है, और धर्म इसमें एक स्थायी तत्व है। इसे तोड़ना सही नहीं होगा। दाऊदी बोहरा समुदाय के केंद्रीय बोर्ड ने 1986 में जनहित याचिका दायर की थी, जिसमें 1962 के फैसले को चुनौती दी गई थी। उस फैसले में बॉम्बे प्रिवेंशन ऑफ एक्सकम्युनिकेशन एक्ट, 1949 रद्द कर दिया गया था।

मुनाफे के चक्कर में हो रहा सेहत से खिलवाड़, दुग्ध उत्पादों में मिलावट करने पर लगाया साढ़े तीन करोड़ जुर्माना

(यंग भारत न्यूज)

बलरामपुर। दूध से बने उत्पादों में मिलावट कर लोगों की सेहत से छल किया जा रहा है। मुनाफे की लालच में विक्रेता दूध में पानी से लेकर स्टार्च और डिटर्जेंट जैसी खतरनाक चीजों की मिलावट कर रहे हैं। खोआ, पनीर व दूध से बनी मिठाइयां लोगों को पोषण देने के बजाय बीमारियां बाट रहीं हैं। इसकी पुष्टि बीते वर्ष दुकानों से लिए गए 244 नमूनों की जांच में हुई। लैब में 132 नूमने जांच में फेल हो गए। इसमें 14 नमूने असुरक्षित भी मिले है। इस पर संबंधित दुकान संचालकों पर तीन करोड़ 45 लाख 29 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की लचर कार्यशैली से मिलावटखोरों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। वहीं, जुर्माना व मुकदमा दर्ज होने के बाद भी मिलावटखोरों का धंधा धड़ल्ले से फल-फूल रहा है।

रिपोर्ट ने चौंकाया

खाद्य सुरक्षा विभाग ने वित्तीय ने गतवर्ष में मिलावटखोरों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाते हुए 1003 निरीक्षण किए और 211 दुकनों एवं प्रतिष्ठानों पर छापेमारी में 244 खाद्य नमूने जांच के लिए गए थे। लेकिन जो विभाग को रिपोर्ट मिली है वह बेहद चौकाने वाली है। इसमें 132 नमूने फेल हो गए है। इसमें 117 अधोमानक और 14 असुरक्षित है। विभाग ने संबंधित कारोबारियों के खिलाफ न्यायालय में मुकदमे दर्ज कराया गया है। एडीएम कोर्ट में 105 और एसीजेएम कोर्ट में 10 मुकदमे दायर किए गए। एडीएम कोर्ट में 132 मामलों का निस्तारण करते हुए कुल तीन करोड़ 45 लाख 14 हजार रुपये एवं एसीजेएम कोर्ट में तीन मामलों का निस्तारण कर 15 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

तीन करोड़ 45 लाख 29 हजार रुपये जुर्माना

तीन करोड़ 45 लाख 29 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया। असुरक्षित नमूनों में चार नमकीन, सात दुध वउससे बने प्राटेक्ट, दो रंगीन कचरी व अन्य प्रकार का नमूना शमिल है। इसमें नमकीन एवं कचरी में के जांच में कलर अधिक पाया गया है। जिसके सेवन मनुष्य कैंसर जैसे घातक रोग से ग्रसित हो सकता है। यही हाल दुध एवं के उसके प्रोक्डेट के मिलावट का भी है। विभाग मिलावटखोरी के खिलाफ लगातार अभियान चला रहा है। आम जनता के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। गिरजेश दुबे- सहायक आयुक्त खाद्य एवं औषधि प्रशासन

कानपुर का 1600 करोड़ वाला गुनहगार गिरफ्तार, बंगाल टीएमसी नेता के यहां छिपा था मास्टरमाइंड महफूज, समझौता करने आया तो धरा गया

(यंग भारत न्यूज)

कानपुर। 68 बैंक खातों के 1600 करोड़ के लेनदेन का आरोपित मास्टर माइंड महफूज आलम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वह फरवरी से कोलकाता भाग गया था और एक टीएमसी नेता के यहां पनाह ली थी। लेकिन बंगाल के चुनाव के बाद जब टीएमसी का प्रभाव खत्म हुआ तो वह कुछ बिचौलियों की मदद से समझौता करने शहर आया था। जहां उसे पुलिस ने दबोच लिया। गुरुवार को पुलिस उसे शहर भेजेगी।

16 फरवरी को यशोदा नगर के वासिद व साथी अरशद को तमंचा लगा आठ लाख रुपये लूटने की सूचना मिली थी। पुलिस पहुंची तो दोनों ने बाद में लूट से इन्कार कर दिया था। बार-बार उनके बयान बदलने पर शक हुआ और पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि दोनों युवक जाजमऊ के टेनरी व स्क्रैप कारोबारी जाजमऊ के जेके कालोनी निवासी महफूज आलम उर्फ पप्पू छूरी वाला के लिए काम करते थे। उस दिन वासिद और उसका साथी महफूज के बताने पर शिवांश टेनरी के नाम पर फूलबाग के आइडीबीआइ बैंक में खुले खाते से 3.20 करोड़ निकाले थे, जिसमें से महफूज के बेटे फैज, साले महताब और रिश्तेदारों को 2.95 करोड़ देकर शेष रकम 25 लाख लेकर महफूज को देने उसके घर जा रहे थे।

जांच में बड़ा गिरोह आया सामने

जांच आगे बढ़ी तो महफूज का एक बड़ा गिरोह का पता चला। महफूज, उसके परिवार, रिश्तेदार और अन्य लोगों की फर्म के नाम से 12 बैंकों में खुले 68 खातों में सवा दो साल में 1600 करोड़ का लेनदेन मिला था। इसमें महफूज पत्नी शायदा, बेटे फैज, बेटी एनम, भाई मिशब, साले मेहताब, उसका बेटा मासूम समेत लोगों के भी खाते हैं। तब से महफूज की तलाश में टीमें लगी थीं।

बीमा कराने के नाम पर धोखाधड़ी

महफूज और उसके परिवार ने जाजमऊ की आरती, शहनवाज, चकेरी न्यू आजाद नगर शिवपुरम निवासी अजय शुक्ला, जूही परमपुरवा निवासी निखिल कुमार, जाजमऊ के कासिफ व उसकी बहन अलफिशा के साथ भी बीमा कराने के नाम पर धोखाधड़ी कर उनका फर्जी तरह से खाते खुलवाकर सैकड़ों करोड़ के लेनदेन किए थे। मामले में पीड़ितों की तहरीर पर मुकदमे दर्ज कर चकेरी, जाजमऊ थाने की पुलिस व साइबर और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने महफूज के साले जाजमऊ के राम राय की सराय सरैया निवासी महताब आलम व उसका बेटा मासूम को सोमवार को रामादेवी रैंप से कट के पास से गिरफ्तार किया है।

16 फरवरी के बाद से कोलकाता में रह रहा था

इसके बाद पुलिस ने बुधवार को इस पूरे गिरोह के मास्टर माइंड महफूज आलम उर्फ पप्पू छूरी वाले को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, महफूज 16 फरवरी के बाद से कोलकाता में अपने रिश्तेदार के घर चला गया था। उसकी आखिरी लोकेशन भी वहां की मिल रही थी, लेकिन पुलिस वहां जाने से बच रही थी, लेकिन बंगाल का चुनाव खत्म होने के बाद महफूज और उसके दो अन्य लोगों के कई आडियो समझौता कराने को लेकर प्रचलित हुए, जिसके बाद महफूज बुधवार को शहर आया था, जहां एक बिचौलिया के जरिए पुलिस टीम ने उसे धर दबोचा। पुलिस के अनुसार, आरोपित महफूज और उसके परिवार ने पेंटर, कबाड़ी, छात्रा, मजदूर, फल विक्रेताओं समेत कई लोगों को बीमा कार्ड, लाभार्थी योजनाओं का लाभ दिलाने का झांसा देकर उनके दस्तावेज लेता और फर्जी जीएसटी फर्म बनाकर करंट खाते खुलवा सैकड़ों करोड़ का लेनदेन करने लगता था, जिसकी जानकारी खाताधारकों को भी नहीं होती थी, लेकिन पुलिस की जांच में जब महफूज की करतूत सामने आई तो पीड़ितों ने आरोपित व उसके परिवार के खिलाफ चकेरी व जाजमऊ थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

आईपीएल प्वाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
हैदराबाद	11	7	4	14
पंजाब	10	6	3	13
बेंगलुरु	9	6	3	12
राजस्थान	10	6	4	12
गुजरात	10	6	4	12
चेन्नई	10	5	5	10
दिल्ली	10	4	6	8
कोलकाता	9	3	5	7
मुंबई	10	3	7	6
लखनऊ	9	2	7	4

ऑरेंज कैप | पर्पल कैप

क्लासेन | भुवनेश्वर कुमार

494 रन | 17 विकेट

हैदराबाद | बेंगलुरु

पंजाब किंग्स ने लगाई हार की हैट्रिक, टॉप पर पहुंची सनराइजर्स हैदराबाद

हैदराबाद

पंजाब किंग्स को कैच टपकाने का खामियाजा भुगतना पड़ा और बुधवार को आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद ने उसे 33 रन से हराकर अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। हेनरिच क्लासेन और ईशान किशन के अर्धशतकों के दम पर सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर 4 विकेट पर 235 रन बनाए।

सपाट विकेट पर सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस ने 4 ओवर में 34 रन देकर 2 विकेट लिए जबकि एशान मलिंगा ने 4 ओवर में 34 रन देकर एक विकेट चटकाया। दोनों ने 21 डॉट गेंदें फेंकी और पंजाब किंग्स 20 ओवर में 7 विकेट पर 202 रन ही बना सके। कूपर कोनोली ने 59 गेंद में नाबाद 107 रन बनाए लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। पंजाब किंग्स की हैदराबाद में यह लगातार नौवीं हार थी।

सनराइजर्स की सातवीं जीत के साथ 14 अंक

सनराइजर्स के इस सातवीं जीत के साथ 14 अंक हो गए हैं और वह दस टीमों में शीर्ष पर है। बाकी तीन मैचों में से एक जीत के साथ ही उसके 16 अंक हो जाएंगे, जो प्लेआफ के लिए क्वालीफाई करने के लिए काफी है। पंजाब की शुरुआत बेहद खराब रही और चार रन के स्कोर पर उसके दो बल्लेबाज पवेलियन में थे। प्रियांश आर्य को कमिंस ने रवाना किया जबकि प्रभसिमरन सिंह ने नीतिश रेड्डी की गेंद पर कमिंस को कैच थमाया। कप्तान श्रेयस अय्यर भी 5 रन बनाकर आउट हो गए।

आईपीएल में 85 पारियों के बाद सबसे ज्यादा छिक्के जड़ने वाले खिलाड़ी

137 छक्के: अभिषेक शर्मा
134 छक्के: केएल राहुल
128 छक्के: शिवम दुबे
115 छक्के: युवराज सिंह
113 छक्के: ऋषभ पंत

एक ओवर में सबसे ज्यादा बार 20 रन बनाने वाले बल्लेबाज

10 - एमएस धोनी
10 - अभिषेक शर्मा
9 - रोहित शर्मा
8 - ऋषभ पंत
7 - हार्दिक पंड्या
7 - सूर्यकुमार यादव
7 - केएल राहुल

अभिषेक ने तोड़ा गेल का रिकॉर्ड

अभिषेक ने पंजाब के खिलाफ 269.93 की स्ट्राइक रेट के साथ 35 रन बनाए और वो आईपीएल में बतौर ओपनर 200 प्लस की स्ट्राइक रेट के साथ सबसे ज्यादा बार 30 प्लस की पारी खेलने वाले बैटर्स की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए। अभिषेक ने 14वीं बार ये कमाल किया जबकि क्रिस गेल ने ऐसा 13 बार किया था।

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
अभिषेक [illegible]	35	13	2	4
[illegible]	36	19	3	1
ईशान [illegible]	55	32	2	4
क्लासेन [illegible]	69	43	3	4
नीतिश कुमार रेड्डी नाबाद	29	13	3	7

अतिरिक्त : [illegible] कुल : 20 ओवर में 235/4 रन

गेंदबाजी : [illegible]

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4	6
प्रियांश [illegible]	1	3	0	0
प्रभसिमरन [illegible]	3	4	0	0
कूपर कोनोली नाबाद	107	59	7	8
श्रेयस [illegible]	5	3	1	0
[illegible]	38	14	2	2
[illegible]	26	17	1	2
[illegible]	4	3	1	0
[illegible]	10	8	0	1
[illegible]	1	1	0	0

अतिरिक्त : [illegible] कुल : 20 ओवर में 202/7 रन

गेंदबाजी : [illegible]

खबर संक्षेप

क्वीन सिरिकिट कप में हिस्सा लेंगे 3 भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली। युवा गोल्फर गुंतास कौर संधू की अगुवाई में भारत की तीन सदस्यीय टीम क्वीन सिरिकिट कप के लिए 12 से 15 मई तक इंडोनेशिया में होने वाली प्रतिष्ठित एशिया-प्रशांत एमेच्योर टीम चैंपियनशिप में भाग लेगी। इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) ने इस टूर्नामेंट के लिए तीन सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इस प्रतियोगिता में मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया सहित कुल 15 देश भाग लेंगे। अन्य देशों में ऑस्ट्रेलिया, चीन, चीनी ताइपे, हांगकांग, भारत, इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया, म्यांमा, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। संधू भारतीय टीम की अगुवाई करेगी। टीम की अन्य दो सदस्य हरियाणा की सीरत कांग और दिल्ली की कोया बड्डू हैं। संधू 2025 की लेडीज ऑर्डर ऑफ मेरिट चैंपियन हैं।

अब हर मुकाबला नॉक आउट जैसा : बदानी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के कोच हेमांग बदानी ने चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मैच में मिली 8 विकेट की करारी शिकस्त के बाद कहा कि टीम की मौजूदा स्थिति से उबरने के लिए सामूहिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करना होगा और अब हर मुकाबला लगभग नॉकआउट जैसा हो गया है। बदानी ने कहा, 'अब मामला नॉकआउट जैसा है, चार (मैचों) में चार जीतना होगा। ड्रेसिंग रूम में सभी खिलाड़ी स्थिति से वाकिफ हैं और अब प्रदर्शन कर लक्ष्य हासिल करना ही एकमात्र विकल्प है। सामूहिक तौर बेहतर प्रदर्शन करना होगा।' उन्होंने कहा, 'हम लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। कभी गेंदबाजी अच्छी होती है, बल्लेबाजी नहीं, कभी इसका उल्टा। इस स्तर पर 60-70 प्रतिशत खिलाड़ियों का योगदान जरूरी है, जो अभी नहीं हो पा रहा।

तुमकुरु ओपन : वैदेही और जील जीतीं, आकांक्षा बाहर

तुमकुरु। भारत की महिला एकल खिलाड़ियों के लिए बुधवार को आईटीएफ डब्ल्यू15 तुमकुरु ओपन में दूसरा दिन अच्छा रहा लेकिन आठवीं वरीय आकांक्षा दिलीप निट्टूरे को निराशाजनक हार का सामना करना पड़ा। आकांक्षा को राउंड ऑफ 32 के एकतरफा मैच में एरिना आरिफुलिना ने 6-1, 6-1 से हरा दिया। तीसरी वरीय वैदेही चौधरी ने सोहा सादिक को 6-3, 6-4 से हराया जबकि चौथी वरीय जील देसाई ने दिन का सबसे शानदार प्रदर्शन करते हुए जीतेश कुमारी के खिलाफ 6-0, 6-0 की एकतरफा जीत दर्ज की। लिथुआनिया की शीर्ष वरीय जस्टिना मिकुलस्काइट और पोलैंड की दूसरी वरीय जुजाना पावलिकोवस्का ने अपने-अपने भारतीय प्रतिद्वंद्वियों को सीधे सेट में हरा दिया। छठी वरीय एकातेरिना यशिना भी आसानी से अगले दौर में पहुंच गईं। उन्होंने वेला तमहणकर को 6-2, 6-2 से हराया। लक्ष्मीसिरी दंडू ने जबरदस्त वापसी करते हुए हमवतन भारतीय प्रत्युषा रचपुडी को 1-6, 7-5, 6-3 से शिकस्त दी। काशिश भाटिया ने वाइल्ड कार्ड धारक अमोदिनी नाइक को 6-1, 6-1 से आसानी से हरा दिया।

नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में 31 मई को खिताबी मुकाबला

आईपीएल फाइनल बेंगलुरु से अहमदाबाद शिफ्ट, धर्मशाला और चंडीगढ़ में प्लेऑफ मैच

नई दिल्ली

बेंगलुरु के बजाय अहमदाबाद लगातार दूसरे सत्र में 31 मई को इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल की मेजबानी करेगा, जबकि क्वालीफायर 1 धर्मशाला और दो अन्य प्लेऑफ मैच न्यू चंडीगढ़ में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को यह घोषणा की।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मौजूदा चैंपियन होने के कारण परंपरा के अनुसार फाइनल बेंगलुरु में खेला जाना था। पिछले साल के अलावा अहमदाबाद ने इससे पहले 2022 और 2023 में आईपीएल फाइनल की मेजबानी की थी।

कर्नाटक क्रिकेट संघ की मांग प्रोटोकॉल के दायरे से बाहर

बीसीसीआई ने कहा, 'आईपीएल फाइनल की मेजबानी के लिए मूल रूप से बेंगलुरु को चुना गया था। लेकिन स्थानीय संघ और अधिकारियों की कुछ ऐसी मांगों के कारण, जो बीसीसीआई के स्थापित दिशा-निर्देशों और प्रोटोकॉल के दायरे से बाहर थीं, आयोजन स्थल को स्थानांतरित कर दिया गया है।' बोर्ड ने हालांकि कर्नाटक की राजधानी में फाइनल आयोजित करने के लिए की जा रही मांगों का स्पष्ट उल्लेख नहीं किया है। बोर्ड ने यह भी कहा कि 'संचालन और लॉजिस्टिकल से जुड़े मसलों के कारण इस वर्ष प्लेऑफ चरण के मैच तीन स्थानों पर खेले जाएंगे।'

धर्मशाला में पहली बार प्लेऑफ का मैच

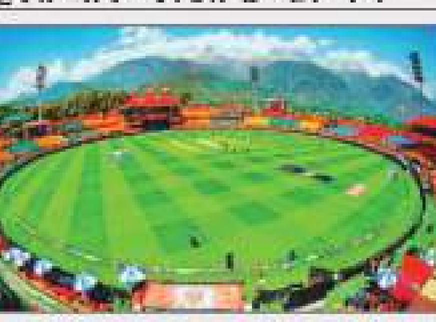

बीसीसीआई ने कहा, 'क्वालीफायर-1 26 मई को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच में अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें भाग लेंगी। इस मैच के विजेता को फाइनल में सीधा प्रवेश मिलेगा।' इसमें कहा गया है, 'इसके बाद मुकाबले न्यू चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होंगे, जहां तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों के बीच 27 मई को एलिमिनेटर मैच खेला जाएगा। इसी स्टेडियम में 29 मई को क्वालीफायर 2 भी खेला जाएगा।' धर्मशाला में पहली बार आईपीएल प्लेऑफ का कोई मैच खेला जाएगा। एलिमिनेटर में जीत दर्ज करने वाली टीम क्वालीफायर दो में क्वालीफायर एक में हारने वाली टीम का सामना करेगी। इस मैच की विजेता टीम फाइनल में पहुंचेगी।

अधिक दर्शकों की क्षमता के कारण अहमदाबाद को प्राथमिकता

बीसीसीआई ने कहा, 'आईपीएल के मौजूदा सत्र का समापन 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले फाइनल के साथ होगा, जो दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। बीसीसीआई के सूत्रों ने बताया कि अहमदाबाद स्टेडियम को उसकी अधिक दर्शकों की क्षमता के कारण प्राथमिकता दी गई क्योंकि फाइनल के लिए अधिक संख्या में दर्शकों के आने की संभावना है। वहीं चिन्नास्वामी स्टेडियम की क्षमता लगभग 35,000 दर्शकों की है। पिछले साल आरसीबी के विजय समारोह के दौरान हुई भगदड़ में यहां 11 लोगों की जान चली गई थी।

फ्री टिकट पर सहमत नहीं बीसीसीआई

यह भी पता चला है कि चिन्नास्वामी स्टेडियम की अपेक्षाकृत कम क्षमता को देखते हुए बोर्ड कर्नाटक सरकार के उस फैसले से सहमत नहीं है, जिसमें राज्य के विधायकों, एमएलसी और सांसदों के लिए इस सत्र में आईपीएल के तीन-तीन मुफ्त टिकटों का कोटा निर्धारित किया गया है।

प्लेऑफ शेड्यूल

क्वालीफायर 1 : 26 मई
एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला
एलिमिनेटर: 27 मई
न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़
क्वालीफायर 2: 29 मई
न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़

फाइनल

31 मई – नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद।

आईसीसी टी20 रैंकिंग

अभिषेक और ईशान का दबदबा बरकरार

दुबई

आईसीसी ने टी20 की ताजा रैंकिंग जारी की है। बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारतीय टीम के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा शीर्ष पर बने हुए हैं। बांग्लादेश के खिलाड़ियों को ताजा रैंकिंग में फायदा हुआ है। टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में अभिषेक शर्मा 9 मार्च के बाद से कोई इंटरनेशनल टी20 नहीं खेलने के बावजूद पहले स्थान पर बने हुए हैं। ईशान किशन दूसरे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान तीसरे स्थान पर हैं। इंग्लैंड के फिल साल्ट चौथे, श्रीलंका के पाथुम निसांका पांचवें, भारत के तिलक वर्मा छठे, भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव सातवें, इंग्लैंड के जोस बटलर आठवें, दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस नौवें और जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट दसवें स्थान पर हैं।

फुटबाल टूर्नामेंट

आर्सेनल का 20 साल का सूखा खत्म पहुंचा चैंपियंस लीग के फाइनल में

लंदन

बुकायो साका के पहले हाफ के आखिर में किए गए गोल की मदद से आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड को सेमीफाइनल के दूसरे चरण में 1-0 से हराकर 20 वर्ष में पहली बार चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। खेल के 45वें मिनट में लिएंड्रो ट्रोसार्ड के शॉट को जान ओब्लाक ने बचा लिया, जिसके बाद साका ने रिबाउंड पर गोल दागकर आर्सेनल को सेमीफाइनल में कुल मिलाकर 2-1 की बढ़त दिला दी। सेमीफाइनल का पहला चरण 1-1 से बराबर रहा था। बढ़त हासिल करने के बाद आर्सेनल की रक्षापंक्ति ने उसे बरकरार रखने में अहम भूमिका निभाई।

2006 में फाइनल में पहुंचा था आर्सेनल

यूरोप की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता में आर्सेनल का यह केवल दूसरा फाइनल होगा। इससे पहले वह 2006 में फाइनल में पहुंचा था लेकिन तब बार्सिलोना से हार गया था। इस बार फाइनल में उसका सामना 30 मई को हंगरी के बुडापेस्ट में मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) या बायर्न म्यूनिख से होगा। पीएसजी ने सेमीफाइनल के पहले चरण में 5-4 से जीत हासिल की थी। आर्सेनल के लिए यह सत्र विशेष हो सकता है क्योंकि वह चैंपियंस लीग का चैंपियन बनने के बेहद करीब है। इसके अलावा वह प्रीमियर लीग में खिताब जीतने की दौड़ में सबसे आगे है।

व्यक्तिगत स्पर्धा में अगले दौर में बनाई जगह

शंघाई विश्व कप : पोडियम पर जगह बनाने में असफल भारतीय कंपाउंड टीम

शंघाई

पदक की प्रबल दावेदार मानी जा रही भारतीय पुरुष और महिला कंपाउंड टीम ने बुधवार को तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में निराशाजनक प्रदर्शन किया और महत्वपूर्ण मौकों पर लड़खड़ाने के कारण पोडियम पर जगह बनाने में असफल रहीं।

सबसे बड़ा झटका महिला टीम को लगा, जिसने पिछले महीने मैक्सिको में सत्र के पहले विश्व कप में भारत के लिए एकमात्र स्वर्ण पदक जीता था। ज्योति सुरेखा वेन्नम, प्रगति और अदिति स्वामी की तिकड़ी क्वार्टर फाइनल में तुर्की से 227-233 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। भारतीय टीम हजल बुरुन, डेफने चकमाक और एमिने राबिया ओगुज की निरंतरता का मुकाबला करने में विफल रही।

ओजस देवताले, साहिल जाधव और कुशल दलाल की पुरुष टीम ने सेमीफाइनल में पहुंचकर उम्मीदें जगाईं, लेकिन अंतिम चार में वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। इसके बाद कांस्य पदक के मैच में भारत को चीन से शूट-ऑफ में हार का सामना करना पड़ा।

व्यक्तिगत वर्ग में राहत

भारत को हालांकि व्यक्तिगत वर्ग में कुछ राहत मिली क्योंकि सभी भारतीय कंपाउंड तीरंदाज अगले दौर में पहुंच गए। पुरुष वर्ग में अभिषेक वर्मा, साहिल जाधव, कुशल दलाल और ओजस देवताले ने अपने-अपने मैच जीतकर अगले राउंड में जगह बनाई। वर्मा का अगला मुकाबला जाधव से होगा। महिला वर्ग में 33वीं वरीयता प्राप्त मधुरा ने चीन की दान यू को 148-147 से हराया। अगले मुकाबले में उन्हें अमेरिका की शीर्ष वरीयता प्राप्त एलेक्सिस रुइज की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। एक अन्य मैच में ज्योति ने 150 का परफेक्ट स्कोर बनाकर कजाकिस्तान की सायना युसुपोवा को हराया जबकि पूर्व विश्व चैंपियन अदिति ने ग्रेट ब्रिटेन की इसाबेल कारपेंटर पर जीत हासिल की। प्रगति ने सिंगापुर की ओंग मैडलीन जू ली को 143-142 से हराया।

लापरवाही बरतने पर कार्लटन क्लब पर अर्थदंड

मैदान में हॉलैंड्स की मानसिक स्थिति अस्थिर, क्लब पर जुर्माना

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलियाई रूल्स फुटबॉल क्लब कार्लटन पर एक खिलाड़ी के मैदान पर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से निपटने में लापरवाही बरतने के लिए 75 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (54,000 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया गया है।

एलिजा हॉलैंड्स 16 अप्रैल को कार्लटन और कॉलिंगवुड के बीच ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग (एएफएल) के मैच में खेले थे जबकि वह मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं थे। मैच के फुटेज से भी यह स्पष्ट हो गया था, जिस कारण प्रशंसकों और अन्य लोगों ने उनकी स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की थी। फुटेज में हॉलैंड्स भ्रमित और अनियमित रूप से चलते हुए दिखाई दिए। यही नहीं वह वार्म-अप के दौरान भी असामान्य हरकतें कर रहे थे। वह

गेंद पर सही तरह से किक भी नहीं मार पा रहे थे। उनका एक शॉट केवल कुछ मीटर तक ही गया। इस मैच के 5 दिन बाद 24 वर्षीय हॉलैंड्स को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हॉलैंड्स के पिता ने किया मदद करने का आग्रह

एलिजा हॉलैंड्स के पिता और पूर्व फ़ुटबॉल खिलाड़ी बेन हॉलैंड्स ने सोशल मीडिया पर अपने बेटे की मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि अगर उनके दोस्त मुश्किल में हैं तो उनका हालचाल पूछें।

हॉलैंड्स खेलने की स्थिति में नहीं है: डिलन

ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग के प्रमुख एंड्रयू डिलन ने कहा, हॉलैंड्स के चिकित्सा रिकॉर्ड के अलावा खेल के दौरान यह स्पष्ट रूप से पता चल रहा था कि वह खेलने की स्थिति में नहीं हैं और इसलिए उन्हें मैच से हटा दिया जाना चाहिए था। डिलन ने कहा कि हॉलैंड्स को पहले ही मैच से बाहर नहीं रखने से खेल की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। उन्होंने यह भी कहा कि आरोप किसी व्यक्ति विशेष के नहीं बल्कि क्लब के खिलाफ हैं।

हेल्दी और फिट रहने के लिए केवल डाइट प्लान और वर्कआउट रूटीन को फॉलो करना पर्याप्त नहीं होता है। इसके लिए आपकी लाइफस्टाइल भी सही होनी चाहिए। आज अनेक यंगस्टर्स इसी फॉर्मूले को फॉलो कर रहे हैं।

फिटनेस के लिए यंगस्टर्स बदलें अपनी लाइफस्टाइल

फिटनेस
दिव्यज्योति 'नंदन'

आज के दौर में सुबह पार्क में दौड़ते हुए युवा, जिम में पसीना बहाते हुई युवतियां, कलाइयों पर स्मार्ट वाच और सोशल मीडिया में फिटनेस अपडेट के साथ लगातार जुड़े यंगस्टर्स, अब सिर्फ फिट नहीं रहना चाहते बल्कि फिटनेस की अपनी पूरी अवधारणा ही बदल डालना चाहते हैं यानी, अब शरीर को फिट रखने की जगह वे अपनी पूरी जीवनशैली को ही फिट बनाने में लगे हैं। इसके लिए एफर्ट से ज्यादा अपनी सोच बदलने की जरूरत होती है। अगर आप अपनी सोच में हेल्थ और फिटनेस को तरजीह देंगे तो हेल्दी-फिट लाइफ जीना आसान हो जाएगा।

स्लिम नहीं स्ट्रांग को दें इंपॉर्टेंस: एक समय था जब युवाओं का लक्ष्य फिट दिखने के नाम पर पतला और स्मार्ट दिखना होता था। लेकिन अब फिट होने का मतलब है स्ट्रांग होना। आज के युवा सिक्स पैक या जीरो फिगर से आगे बढ़कर स्ट्रेंथ, स्टेमिना और वर्क पावर पर ध्यान दे रहे हैं। ऐसी सोच ही आपको रियली फिट रहने में हेल्पफुल होती है।

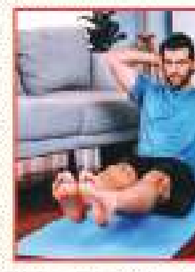

इसी तरह युवतियों में वेट ट्रेनिंग का तेजी से चलन बढ़ रहा है, क्योंकि फिट दिखने से ज्यादा अब वे फिट महसूस करना जरूरी मानती हैं। इसके लिए बॉडी को पॉजिटिविटी चाहिए होती है। यंगस्टर्स की सोच में आया यह बदलाव बताता है कि फिटनेस अब दिखावे से बाहर निकलकर हेल्थ का मूल मंत्र बन गया है।

मेंटल हेल्थ पर ध्यान देना भी जरूरी: पूरी तरह हेल्दी और फिट रहने के लिए यह समझना भी जरूरी है कि सिर्फ शरीर को मजबूत करना ही पर्याप्त नहीं होता है। आज के दौर में यंगस्टर्स के लिए कॉलेज, करियर और सोशल मीडिया के दबाव के बीच मेंटल हेल्थ भी एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। इसे बनाने के लिए योगासन, ध्यान और प्राणायाम भी अब युवाओं का पसंदीदा शगल बन गया है। अनेक विशेषज्ञ कहते हैं कि मेंटल हेल्थ के लिए योग का अभ्यास कारगर होता है। इसके अलावा डिजिटल डिटॉक्स और माइंडफुलनेस भी जरूरी मंत्र हैं। अच्छी फिटनेस तनाव कम करने का माध्यम भी बन सकती है। इसलिए, अब फिटनेस की पुरानी परिभाषा केवल मसल्स फिटनेस तक सीमित नहीं रही है, बल्कि मस्तिष्क का संतुलन भी जरूरी है।

डिजिटल फिटनेस भी जरूरी: फिटनेस की दुनिया अब तकनीक की गहराई से भी जुड़ती है। स्मार्ट वॉच और फिटनेस बैंड से स्टेप काउंट अब यंगस्टर्स के लिए सामान्य बात है। अच्छी नींद, हार्ट रेट और कैलोरी ट्रैकिंग अब जरूरी होता जा रहा है। मोबाइल एप्स के जरिए भी वर्कआउट प्लान बनाया जा सकता है। सही तरह से यूज किया जाए तो ये सब डिजिटल टेक्नीक्स आपको हेल्दी, फिट रखने में हेल्पफुल साबित होते हैं। इनकी मदद से आप हर दिन अपने आंकड़े पहले से बेहतर करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं। लेकिन डेटा के प्रेशर में आने से बचने में ही समझदारी है।

फिटनेस बना सोशल फेस: आज फिटनेस केवल स्वास्थ्य गतिविधि भर नहीं है। रनिंग क्लब, साइक्लिंग ग्रुप्स, जिम कम्युनिटी का एक तरह के सोशल प्लेटफॉर्म के रूप में यूज किया जा सकता है। इससे आपके सोशल रिलेशन मजबूत होते हैं, जो आपको मेंटली रिलैक्स होने में सहायक होते हैं।

फिटनेस पाने के नए तरीके: फिटनेस के लिए जरूरी नहीं कि आप जिम में जाकर ही एक्सरसाइज करें। फिटनेस के लिए आप पिलेट्स, क्रॉस फिट और फंक्शनल ट्रेनिंग भी आजमा सकते हैं।

डाइट कॉन्शसनेस भी आवश्यक: फिटनेस के लिए हेल्दी डाइट का भी बड़ा रोल होता है। यही कारण है कि आज के युवा हाई प्रोटीन सप्लीमेंट्स को अपनी फिटनेस जर्नी का जरूरी हिस्सा मानते हैं। लेकिन सप्लीमेंट लेने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट जरूर कर लें। *

कुछ लोगों को बेवजह, बिना किसी गंभीर बीमारी या बिना परिश्रम किए भी हमेशा थकान महसूस होती है। वास्तव में यह भी एक शारीरिक समस्या क्रॉनिक फटीग सिंड्रोम के लक्षण हो सकते हैं। **इंटरनेशनल क्रॉनिक फटीग सिंड्रोम अवेयरनेस डे (12 मई)** के अवसर पर यहां दे रहे हैं इससे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां।

जब महसूस हो हर समय थकान

अवेयरनेस
रजनी अरोड़ा

जतिन कुछ दिनों से महसूस कर रहा था कि रात को तकरीबन 7 घंटे की गहरी नींद सोने के बाद भी सुबह उठने में दिक्कत होती थी। जैसे-तैसे घर का काम निपटा कर ऑफिस चला तो जाता था। लेकिन काम करने का मन नहीं करता था। पूरा दिन सुस्ती, थकान बनी रहती थी। यहां तक कि आराम करने के लिए उसने ऑफिस से छुट्टियां भी लीं, पर थकान ने उसका पीछा नहीं छोड़ा। डॉक्टर को दिखाने और जरूरी टेस्ट करवाने पर पता चला कि मिडिल एज पर पहुंचे जतिन क्रॉनिक फटीग सिंड्रोम से ग्रस्त हैं। उन्हें डॉक्टर ने हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करने और मल्टीविटामिन सप्लीमेंट्स लेने की सलाह दी।

क्या है क्रॉनिक फटीग सिंड्रोम

क्रॉनिक फटीग सिंड्रोम (सीएफएस) गंभीर मेडिकल कंडीशन है, जिसमें व्यक्ति बहुत ज्यादा थकान महसूस करता है और यह थकान लंबे समय यानी 6 महीने या अधिक समय तक लगातार बनी रह सकती है। इसे यानी सिस्टेमिक एक्सरशन इंटोलरेंस डिजीज भी कहते हैं। यह कोई आम थकान नहीं, सुबह उठने पर व्यक्ति को ऐसा लगता है, जैसे उसकी नींद पूरी ही नहीं हुई। मसलन, पूरा शरीर एकदम टूटा-टूटा और थका-थका-सा महसूस करता है। थोड़ा और आराम करने पर भी राहत नहीं मिल पाती। थकान सारा दिन बनी रहती है और रोजमर्रा के काम करने में भी मुश्किल होती है। क्वालिटी ऑफ लाइफ प्रभावित होती है।

आम थकान से है अलग

दिन भर फिजिकल और मेंटल एक्टिविटीज करने के कारण व्यक्ति को कमजोरी और थकावट महसूस होती ही है। अगर कुछ देर आराम मिल जाए, तो एनर्जी लेवल रिचार्ज हो जाता है और वो दुबारा अपनी एक्टिविटीज में लग जाता है। लेकिन क्रॉनिक फटीग सिंड्रोम में आराम करने के बाद भी यह थकान दूर नहीं होती, सुस्ती महसूस होती है, व्यक्ति का मूड खराब रहता है।

क्या होता है असर

अकसर मरीज के परिवार वाले मरीज की इस बीमारी को समझ नहीं पाते। परिवार वालों को लगता है कि व्यक्ति को सिर्फ वहम है, काम से बचने के लिए थकावट का बहाना बना रहा है। जबकि यह बहाना नहीं, लंबे समय तक चलने वाली बीमारी है, जिसका इलाज कराना होता है और फिजिकल रिहैबिलिटेशन और दवाइयां भी लेनी होती हैं। नजरअंदाज करने पर पीड़ित व्यक्ति को फ्रस्ट्रेशन, स्ट्रेस एंग्जाइटी, डिप्रेशन होने की संभावना बनी रहती है, जिनसे उबरने के लिए व्यक्ति को लंबे समय तक उपचार भी कराना पड़ सकता है।

फटीग सिंड्रोम के क्या हैं कारण

क्रॉनिक फटीग सिंड्रोम होने के कई कारण हो सकते हैं। इनमें शामिल हैं-अनहेल्दी लाइफस्टाइल, अनियमित दिनचर्या के कारण स्लीप साइकल गड़बड़ाना और नींद पूरी न होना, पौष्टिक और संतुलित आहार का सेवन न करना, कैफीन का अधिक सेवन करना, मेटाबॉलिज्म गड़बड़ाने से पाचन क्रिया प्रभावित होना, शरीर में आयरन और विटामिन बी-12 की कमी से एनीमिया या खून में हीमोग्लोबिन की कमी होना, हाइपोथायरॉइड होने पर शरीर में कमजोरी रहना, हार्मोनल असंतुलन के कारण अनियमित मासिक धर्म और उससे जुड़ी समस्याएं होना, थायरॉइड, डायबिटीज, टीबी, लिवर, किडनी जैसी गंभीर बीमारियां होना, स्ट्रेस, एंग्जाइटी, डिप्रेशन जैसी मानसिक समस्याएं होना।

फटीग सिंड्रोम के प्रमुख लक्षण

पीड़ित व्यक्ति में गहरी नींद का अल्फा डेल्टा वेव पैटर्न डिस्टर्ब होता रहता है, जिसकी वजह से रात भर सोने के बाद भी फ्रेश महसूस नहीं करते। लो-एनर्जी होने से हर वक्त थकान रहना, आराम करने के बाद भी थकान बनी रहना, भूख न लगना, लगातार कमजोरी महसूस होना, चक्कर आना, मांसपेशियों, जोड़ों और सिर में दर्द रहना, डाइजेशन (पाचन) संबंधी समस्याएं होना, किसी काम को करने में कंसंट्रेशन कम होना जैसी समस्याएं होती हैं। मरीजों को शॉर्ट टर्म मेमोरी लॉस, याददाश्त कम होना, मूड स्विंग जैसी न्यूरोलॉजिकल समस्याएं होने की शिकायत भी रहती है। यूं तो यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को हो सकती है। शोधों से साबित हो गया है कि सीएफएस, महिलाओं में पुरुषों की तुलना में चार गुना ज्यादा पाया जाता है।

आजमाएं ये उपाय

बॉडी में एनर्जी बनाए रखने के लिए लाइफस्टाइल मॉडिफिकेशन जरूरी है।

- स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। अपनी बायोलॉजिकल क्लॉक को रिसेट करें। नियत दिनचर्या बनाएं और यथासंभव उस पर अमल करें। जिसमें सोने-जागने, खाने-पीने, दिनचर्या के काम करने, पढ़ने, काम करने, एक्सरसाइज, खेलने, आराम करने का समय निर्धारित करें। ब्रेकफास्ट अवॉइड न करें और रात का खाना सोने से तकरीबन 3 घंटे पहले कर लें।
- काम और आराम में संतुलन बनाएं। लगातार एक जैसा काम करते रहने से थकान के साथ बोरियत भी महसूस होती है। इससे बचने के लिए कोई भी काम लगातार न करें। टुकड़ों में बांट लें और बीच-बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लेकर खुद को फ्रेश करें।
- आहार का पूरा ध्यान रखें। जंक या फास्ट फूड की बजाय पोषक तत्वों से भरपूर आहार लें। एंटी-इंफ्लेमेटरी डाइट का सेवन करें। खाने में रेनबो डाइट शामिल करें। आहार में मौसमी और ताजी फल-सब्जियां ज्यादा से ज्यादा लें। ग्लूकोज कम करें। गेहूं के बजाय स्टार्च निकले चावल या ब्राउन राइस, ओट्स, मक्की की रोटी, क्नीओवा, बेसन, मल्टीग्रेन आटा बेहतर है। हेल्दी फैट्स, कॉम्प्लेक्स कार्ब्स डाइट में शामिल करें। ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर ड्राई फ्रूट्स और सीड्स का सेवन करें। दिन में एक-दो बार कैमोमाइल टी लें।
- शुगर, रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट या ऑयली खाद्य पदार्थों के बजाय कैल्शियमरिच, आयरनयुक्त, प्रोटीन रिच फूड्स का सेवन करें। खाने में शुगर या कार्बोहाइड्रेट ज्यादा लेने से नींद ज्यादा आती है, जबकि प्रोटीन रिच डाइट लेने से ब्लड में शुगर धीरे-धीरे रिलीज होता है और आप ज्यादा एक्टिव रहते हैं। रात को सोने से पहले गुनगुना दूध पीना भी फायदेमंद है।
- चाय-कॉफी, एल्कोहल, सिगरेट से परहेज रखें। हालांकि लगातार काम करने की स्थिति में दिमाग थक जाता है और फ्रेश फील करने के लिए चाय-कॉफी पीना एनर्जेटिक तो फील कराती है, लेकिन ज्यादा कैफीन का सेवन सुस्ती की तरफ ले जाता है।
- स्क्रीन टाइम कम करें। शारीरिक-मानसिक थकावट दूर करने के लिए लाइट म्यूजिक सुनें। संगीत आपको पॉजिटिव ऊर्जा देगा और मूड को बेहतर बनाएगा, जिससे आप तरोताजा महसूस करेंगे और नए कार्य करने को सक्रिय होंगे।
- अपने को फिट रखने के लिए सुबह या दिन में कम से कम 30 मिनट एक्सरसाइज, वॉक, योगा जरूर करें। सुबह की ताजी हवा सुस्ती दूर करती है। वैज्ञानिक मानते हैं कि बहुत ज्यादा थकान रहने वाले लोगों को एक्सरसाइज करने से थकान का लेवल कम हो जाता है।
- कुछ समय मेंटल रिलेक्सेशन के लिए जरूर निकालें। प्रकृति के साथ कुछ समय बिताएं, बच्चों के साथ समय बिताएं। स्ट्रेस से बचने के लिए मेडिटेशन करें, घर में पेड़-पौधे लगाएं, उनसे थोड़ी पॉजिटिव एनर्जी आएगी। अपने पसंदीदा इंसान के साथ कुछ समय गुजारें।
- 7-8 घंटे की भरपूर नींद लें। यथासंभव दिन में एक पॉवर नैप लेना, खुद को रि-चार्ज कर लेने जैसा होता है। एक्टिव रहने के वास्ते नींद से समझौता बिलकुल न करें। रात को सोने से करीब एक घंटा पहले डिजिटल गैजेट्स से दूरी बना लें। अपनी पसंदीदा किताबें पढ़ें या पसंदीदा हॉबीज करें। *

(लाइव लाइफ मोर वेलनेस क्लीनिक, कनाडा के सीनियर फिजीशियन, डॉ. संदीप जस्सल और आहार विशेषज्ञ पल्लवी जस्सल से बातचीत पर आधारित)

इलाज के तरीके

सबसे पहले यह जानना जरूरी होता है कि थकान के पीछे क्या कारण है। इसके लिए डॉक्टर कई तरह के ब्लड टेस्ट कराते हैं जैसे- हीमोग्लोबिन, थायरॉयड फंक्शन टेस्ट, लिवर और किडनी फंक्शन टेस्ट, ब्लड शुगर, विटामिन-डी और बी-12 लेवल का टेस्ट, चेस्ट एक्स-रे। हीमोग्लोबिन या शरीर में विटामिन और आयरन की कमी होने पर मरीज को इनके सप्लीमेंट्स दिए जाते हैं। जरूरत के हिसाब से मल्टीविटामिन्स भी दिए जाते हैं। थायरॉयड हार्मोन की गड़बड़ी, डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियों को कंट्रोल करने के लिए मेडिसिन दी जाती है।

गर्मी में बहुत लाभकारी है छाछ

सीजनल डाइट / शिवचरण चौहान

एक मिट्टी की मटकी में जमाए गए दही में पानी मिलाकर काठ की मथानी से मथे गए द्रव्य को मट्ठा या छाछ कहते हैं। जिस मट्ठे की मलाई ना निकाली गई हो पानी ना डाला गया हो उसे घोल कहते हैं। मट्ठे से मक्खन निकाल लिया गया हो और उसमें पानी ना डाला गया हो उसे मति कहा जाता है। जिस दही में न पानी डालकर मथा गया हो उसे तक्र कहा गया है। गाय के दूध से जमाए गए दही को बिलोकर बनाया गया मट्ठा गर्मी के मौसम में विशेष रूप से लाभकारी होता है।

कई रोगों में कारगर: हमारे प्राचीन ग्रंथों में भी मट्ठे का उल्लेख मिलता है। भुने हुए जीरा और काला नमक मिलाकर मट्ठा पीना, गर्मियों में पेट के रोगों के लिए रामबाण का काम करता है। मट्ठा स्वादिष्ट, खट्टा, हलका, उष्ण होता है। वात शूल, आमातिसार, वायु विकार, पीलिया, बवासीर, पेट पीड़ा, उल्टी, भोजन से अरुचि, मूत्र विकार, अजीर्ण समेत कई उदर विकारों में फायदेमंद होता है। मट्ठा त्रिदोष नाशक भी माना

जाता है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि सुबह दही के साथ नाश्ता करने, दोपहर के भोजन के बाद मट्ठा पीने और शाम को हल्का गुनगुना दूध पीना बहुत लाभकारी होता है। छाछ में प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो पाचन सुधार में सहायक होते हैं।

मसालेदार भोजन करने से अगर जलन या एसिडिटी हो रही हो तो छाछ का सेवन राहत देता है। इसकी तासीर ठंडी होती है, इसलिए गर्मी के मौसम में इसे पीने से लू लगने की आशंका कम होती है। शरीर में ताजगी बनी रहती है। नियमित छाछ पीने से बोंस मजबूत बनती हैं क्योंकि इसमें कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं तो भी छाछ का सेवन फायदेमंद हो सकता है क्योंकि इसमें कैलोरीज कम होती हैं। यह शरीर में पानी की कमी को पूरा करता है और इलेक्ट्रोलाइट्स को संतुलित करता है, इसलिए गर्मी में इसका सेवन विशेष रूप से फायदेमंद माना जाता है। इतना ही नहीं यह रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है।

सेवन करते समय रखें ध्यान: नियमित मट्ठे का सेवन करने से मूत्र का पीलापन समाप्त हो जाता है। मट्ठे का नित्य सेवन करने से मनुष्य लंबी उम्र पाता है। सभी उम्र के लोगों को मट्ठा बहुत फायदा पहुंचाता है। लेकिन मट्ठे का सेवन समझ-बूझकर और डॉक्टर की सलाह से ही करना चाहिए। जलोदर, यकृत विकार, सांस, खांसी, बुखार से ग्रस्त व्यक्ति को मट्ठा नहीं पीना चाहिए। *

अनेक लोग अपने दांतों की सफाई को लेकर बहुत कॉन्शस नहीं रहते हैं। इससे केवल दांत संबंधी ही नहीं कई तरह की गंभीर बीमारियां भी हो सकती हैं। इन बीमारियों से कैसे बचें और अपनी ओरल हेल्थ अच्छी रखें, इस बारे में दे रहे हैं कुछ यूजफुल सजेशंस।

टीथ क्लीनिंग में लापरवाही से हो सकती है गंभीर समस्याएं

प्रिकॉशन
डॉ. माजिद अलीम

द लैंसेट रीजनल हेल्थ, साउथ ईस्ट एशिया में ओरल हेल्थ से संबंधित प्रकाशित एक लेख में इस बात की चर्चा की गई है कि हमें अपनी दांतों की सफाई के प्रति बेहद सजग और सचेत होना चाहिए, क्योंकि इसमें बरती गई लापरवाही कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी की वजह बन सकती है। ओरल हेल्थ और कैंसर के खतरे के बीच इस लेख में सिर और गर्दन के कैंसर के मामलों से भी जोड़कर बताया गया है।

बिल्कुल न बरतें लापरवाही: हम लोग अकसर मुंह की साफ-सफाई को या दांतों के स्वास्थ्य को सांस संबंधी बीमारियों से जोड़कर देखते हैं। हकीकत यह है कि कैविटी और मसूड़ों से जुड़ी बीमारियां और दांतों के रख-रखाव में बरती गई लापरवाही के कारण कैंसर और दूसरी गंभीर बीमारियों की वजह भी हो सकती है। हाल में ही एम्स द्वारा लोगों से अपील की गई है कि सुबह उठकर प्रतिदिन अपने दांत साफ करने को लेकर स्कूलों में भी बच्चों को इस बारे में सजगता बरतने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। आइए जानते हैं कि किस तरह हम ओरल हेल्थ को लेकर सजग रह सकते हैं?

दिन में दो बार ब्रश करें: सुबह सोकर उठने के बाद और रात को सोने से पहले दांतों की सफाई जरूरी है। रात को ब्रश करने से उनमें दिनभर में जमा होने वाला प्लाक, खाने के कण दांतों में जमने से दांतों की गंदगी से होने वाली बीमारियों के खतरे कम हो जाते हैं।

टंग क्लीनर न भूलें: दांतों की सफाई के साथ-साथ प्रतिदिन जीभ की भी सफाई करें ताकि पूरा मुंह साफ रहे। जीभ पर बैक्टीरिया जमा होने से सांसों की दुर्गंध और जीभ पर अनेक बैक्टीरिया जमा हो जाते हैं, जिनकी सफाई जरूरी है।

प्रतिदिन फ्लॉस करें: फ्लॉसिंग का मतलब दांतों और मसूड़ों के बीच की साफ-सफाई से होता है। फ्लॉसिंग से दांतों में फ्लॉस का जमाव कम होता है और कैविटी के साथ ही मसूड़ों की बीमारियां कम होती हैं।

माउथ वॉश: दिन में कम से कम एक बार माउथ वॉश से मुंह की सफाई करें, ये हमारे दांतों की सुरक्षा और सांसों की बदबू को दूर करता है। खाना खाने के बाद जब हमारे मुंह में भोजन के कण लंबे समय तक बने रहते हैं तो इससे सांसों में दुर्गंध पैदा होती है, इसलिए माउथ वॉश का इस्तेमाल जरूर करें।

ब्रश करने की सही तकनीक अपनाएं: जल्दबाजी में ब्रश करने से भोजन के कण दांतों में ही फंसे रह जाते हैं, जिससे उनमें प्लाक बनता है। नरम ब्रिसल वाले टूथब्रश से सर्कुलर मोशन में लगभग दो मिनट तक मुंह की सफाई करनी चाहिए। दांतों को तेजी से न रगड़ें क्योंकि इससे उनके इनेमिल को नुकसान पहुंचता है और मसूड़े खराब होते हैं।

फ्लोराइड युक्त टूथ पेस्ट चुनें: फ्लोराइड युक्त टूथ पेस्ट दांतों के इनेमिल की रक्षा करता है और उन्हें गिरने से बचाता है। अपने टूथ पेस्ट का इस्तेमाल करते हुए ब्रांड और फ्लेवर की बजाय फ्लोराइड युक्त पेस्ट का इस्तेमाल करें।

जमकर पानी पीएं: दिन में 8 से 10 गिलास पानी जरूर पीएं, ताकि दांतों में जमा भोजन के कण पानी के साथ मिल सकें और लार बनें, क्योंकि मुंह में बनने वाले और हमारे दांतों को नुकसान पहुंचाने वाले एसिड के लिए यह सुरक्षा कवच है।

ज्यादा मीठा-एसिडिक फूड न खाएं: सोडा, चाय और सिट्रिस ड्रिंक्स दांतों की बाहरी परत को नुकसान पहुंचाते हैं। इनको कम से कम लें और मीठा या सोडा लेने के बाद पानी पीएं।

नियमित जांच कराएं: हर छह महीने के बाद अपने दांतों की जांच करवाएं और किसी प्रोफेशनल डेंटिस्ट से क्लीनिंग करवाएं। डेंटिस्ट दांतों संबंधी बीमारियों को समय रहते डायग्नोस कर ट्रीटमेंट कर देंगे। *

एबीवीपी ने आयुर्वेदिक कॉलेज में चल रही अनियमिताओं के खिलाफ मोर्चा खोला

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झांसी महानगर के कार्यकर्ताओं द्वारा आयुर्वेदिक कॉलेज में चल रही अनियमिताओं के खिलाफ मोर्चा खोल विरोध प्रदर्शन किया गया और समस्याओं को अवगत कराते हुए आयुर्वैदिक कॉलेज के प्राचार्य को ज्ञापन दिया और कहा की एक हफ्ते के अंदर इन समस्याओं पर अगर कदम नहीं उठाया गया तो विद्यार्थी परिषद झांसी महानगर के कार्यकर्ता उग्र आंदोलन के लिए बाध्य रहेंगे और इसकी पूरी जिम्मेदारी आयुर्वैदिक कॉलेज प्रशासन की होगी और किसी की नहीं।

महानगर मंत्री सुयश शुक्ला ने बताया कि कॉलेज में इतने सालों से प्राचार्य को छात्रों की समस्या ना दिखाई दी ना सुनाई दी और छात्रों को डराने धमकाने का काम प्रशासन करता रहा है जिससे कि उनकी कमियां उजागर ना हो छात्र नेतृत्व करने की क्षमता पैदा ना कर पाए और वह इस आड़ में गलत काम करते रहें । विद्यार्थी परिषद काफी समय से आयुर्वैदिक कॉलेज के प्राचार्य को समस्याओं से अवगत करा रहा था परंतु उन समस्याओं पर कॉलेज प्रशासन की कोई प्रतिक्रिया सामने दिखाई नहीं दी जिसके कारण विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं को आज विरोध प्रदर्शन करना पड़ा और अपनी समस्याओं को ज्ञापन के स्वरूप में आयुर्वैदिक कॉलेज के प्राचार्य

रामकृष्ण राठौर को सौंपा। ज्ञापन में लिखा है कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सदैव छात्र हित एवं शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विषयों को लेकर सक्रिय रूप से कार्य करने वाला विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। परिषद निरंतर छात्रों की समस्याओं के समाधान एवं शैक्षिक वातावरण को बेहतर बनाने हेतु प्रयासरत रहती है। इसी क्रम में बुंदेलखंड आयुर्वैदिक महाविद्यालय से संबंधित विभिन्न समस्याओं को आपके संज्ञान में लाना आवश्यक है। वर्तमान में महाविद्यालय एवं हॉस्टल परिसर से संबंधित अनेक समस्याओं के कारण छात्रों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं के समाधान हेतु निम्न बिंदुओं पर तत्काल कार्यवाही किए जाने की आवश्यकता है—इंटर्न छात्रों के लिए शासन द्वारा जारी गजट/राजपत्र में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार उचित हॉस्टल व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। हॉस्टल भवनों की जर्जर स्थिति को शीघ्र सुधारते हुए आवश्यक मरम्मत एवं मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था कराई जाए। सभी छात्रों हेतु पर्याप्त एवं सुरक्षित हॉस्टल व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए, जिससे किसी भी छात्र को आवास संबंधी समस्या का सामना न करना पड़े। महाविद्यालय परिसर में छात्रों हेतु उचित एवं स्वच्छ कैंटीन की व्यवस्था कराई जाए, जिससे छात्रों को भोजन एवं आवश्यक सुविधाएँ सुगमता से प्राप्त हो सकें। कॉलेज परिसर एवं हॉस्टल के आसपास खड़े जंगल/झाड़ियों की साफ-सफाई कराई जाए, जिससे स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण बना रहे। छात्रों द्वारा अपनी समस्याओं एवं अधिकारों की आवाज उठाने पर उन पर किसी प्रकार का मानसिक दबाव या प्रताड़ना न बनाई जाए तथा ऐसे कार्यों पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाए। कॉलेज एवं हॉस्टल में स्वच्छ पेयजल, विद्युत व्यवस्था, शौचालय एवं सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुचारु रूप से संचालित किया जाए। महाविद्यालय में शैक्षिक वातावरण को बेहतर बनाने हेतु नियमित कक्षाओं, प्रयोगात्मक कार्यों एवं आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। महाविद्यालय के गेट से सिगरेट की दुकान लगी हुई है जिसके खिलाफ अभी तक महाविद्यालय द्वारा कोई कार्यकवाही नहीं की। महाविद्यालय परिसर के 1 किलोमीटर के अंतर्गत मदिरापान की दुकान नहीं होनी चाहिए जबकि 250 मीटर दूर ही वाइन शॉप खुली है जिससे महाविद्यालय का वातावरण प्रभावित होता है।

इसके खिलाफ जल्द से जल्द कदम उठाने का काम करें। अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि उपरोक्त सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान कर आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराने की कृपा करें, जिससे अध्ययन एवं प्रशिक्षण का वातावरण बेहतर बनाया जा सके प्रचार्य ने सभी समस्याओं के समाधान के लिए सोमवार तक का मांगा समय। इस दौरान विभाग संगठन मंत्री निर्भय प्रताप जिला संगठन मंत्री आकाश सिंह महानगर सह मंत्री कल्याण चौधरी श्याम शर्मा देव पांडे अर्पित अग्रवाल प्रिंस लखेरा सूर्य प्रताप सक्षम गुप्ता अमरजीत शोभित द्विवेदी अंकुश पाल आनंदपाल आयुष श्रीवास हर्ष साहू हर्षवर्धन साहू अभिराज सिरोनिया प्रवीण यादव लव कुश पटेल अप्रिय यादव समीर रिछारिया सक्षम राजपूत सहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे

श्री राम राजा जेवर शोरूम का भव्य शुभारंभ

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। दीक्षित सर्राफा बाजार में रम्मू सोनी दतिया वालों के नवीन प्रतिष्ठान श्री राम राजा जेवर शोरूम का भव्य शुभारंभ उद्घाटन स्वर्णकार भारती सेवा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस एस स्वर्णकार व राष्ट्रीय महासचिव उदय सोनी तथा राष्ट्रीय सचिव जीतू सोनी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। शोरूम के संचालक सूरज सोनी शुभम सोनी ने बताया कि शोरूम मे 20 कैरेट 84,1 सोने के जेवर थोक रेट मे सर्राफा व्यापारियों को कम से कम वेस्टेज पर दिये जायेंगे एवं नयी डिजायनों मे मुम्बई, इन्दौर, कोलापुर, राजकोट, अमृतसर, दिल्ली चैन्नई आदि नये डिजायनों के जेवर शोरूम पर उपलब्ध है।हमारे सहयोगी प्रतिष्ठान जिन पर 18 कैरेट 75,1 व चांदी के फैन्सी जेवर उपलब्ध रहते है।इलैक्ट्रानिक के सामान भी मिलते। श्री राम राजा फूंका केंद्र, सुनील इलैक्ट्रानिक, आदित्य इलैक्ट्रानिक, राम राजा ज्वैलर्स।

इस अवसर पर अजय सोनी जानकी ज्वैलर्स, नीलेश सोनी, नाव्या चेन, सुशील सोनी महामंत्री सीपरी बाजार, जे के ज्वैलर्स, मनोज सर्राफ, आर के ज्वैलर्स, अरूण सोनी, लोचन सोनी, मनोज सोनी अध्यक्ष नगरा, प्रमोद सोनी, दिनेश सोनी, दीपू नेता जी, आर के सोनी चेयरमैन, संतोष सोनी दुल्हन ज्वैलर्स सीपरी बाजार, जितेंद्र सोनी मीनाकार युवा अध्यक्ष, विजय सोनी, राजेश सोनी, शिवम सोनी, अरविंद सोनी मनोज सोनी, कमलेश सोनी ओरछा मंदिर के पुजारी विजय महाराज सहित झांसी के आसपास के बरिष्ठ व्यापारी उपस्थित रहे।

कैथेड्रल कॉलेज ग्राउंड में गूंजा जीत का शोर, सेंट एंथनीज़ इलेवन ने उठाई विजेता ट्रॉफी

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2026 इंटर चर्च क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समापन कैथेड्रल कॉलेज ग्राउंड, झांसी में उत्साह एवं खेल भावना के साथ हुआ। फाइनल मुकाबला सेंट जूड हीरोज एवं सेंट एंथनीज़ इलेवन के बीच खेला गया, जिसमें सेंट एंथनीज़ इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की।

सेंट जूड हीरोज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 196 रन बनाए। टीम की ओर से एम्ब्रोस पीटर ने शानदार 54 रनों की पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट एंथनीज़ इलेवन की ओर से सैमसन रॉबिन्सन ने तूफानी 75 रन तथा रोहन डेविड ने 49 रन बनाकर टीम को शानदार जीत दिलाई। टूर्नामेंट में अर्श नाथ ने 439 रन बनाकर बेस्ट बैट्समैन ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता, जबकि सिरिल पीटर ने 18 विकेट लेकर बेस्ट बॉलर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। सैमसन रॉबिन्सन को शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द सीरीज चुना गया। मैच में अंपायर की भूमिका लुकस एवं मुईनुद्दीन ने निभाई। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बृजेन्द्र यादव सेक्रेटरी, डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन, झांसी, दीपक यादव स्टेट यूथ सेक्रेटरी, समाजवादी पार्टी, फा. रोनाल्ड टेलिस विकर जनरल, डायोसीस ऑफ झांसी एवं फा. ए. सूसायराथिनम प्रधानाचार्य, कैथेड्रल कॉलेज, झांसी उपस्थित रहे। टूर्नामेंट के सफल आयोजन में आयोजन समिति के सदस्य ऐश्वर्य ,राहुल, लियो, प्रिंस, इवेन, ग्रेगरी जूड एवं जैकब का विशेष योगदान रहा।

विद्यालय में लटकता मिला ताला, बच्चों की पढ़ाई ठप

(यंग भारत न्यूज)

- खंड शिक्षा अधिकारी के लापरवाही के कारण आए दिन बंद रहते हैं स्कूल
- क्षेत्र में विद्यालय का भ्रमण

बांदा। जसपुरा विकासखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय शेखुपुर व पूर्व माध्यमिक विद्यालय में आज सुबह बच्चों और अभिभावकों को उस समय निराशा हाथ लगी, जब स्कूल के मुख्य गेट पर ताला लटका मिला। निर्धारित समय पर विद्यालय न खुलने से दर्जनों बच्चे बाहर ही खड़े रहे और काफी देर तक शिक्षक या जिम्मेदार अधिकारी का इंतजार करते रहे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है, इससे पहले भी कई बार विद्यालय समय पर नहीं खुलता, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। अभिभावकों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था की ऐसी लापरवाही बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। सूचना मिलने पर कुछ अभिभावकों ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को मामले की जानकारी दी और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। जब विद्यालय के प्रधान इंचार्ज विवेक पटेल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि वह छुट्टी पर हैं उन्हें भी जानकारी नहीं है। जब पूरे मामले की जानकारी खंड शिक्षा अधिकारी जसपुरा से लेनी चाहि तो उन्होंने अपना फोन ही नहीं उठाया। वहीं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों का कहना है कि मामले की जानकारी नहीं है। न जी किसी ने शिकायत की है।

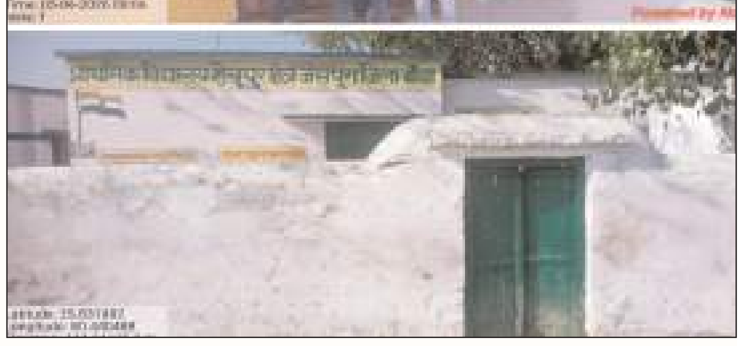

धरना प्रदर्शन से पहले सपा विधायक व सपा जिलाध्यक्ष को पुलिस ने किया आवास पर नजरबंद

(यंग भारत न्यूज)

बांदा। जिला संगठन के आवाहन पर विभिन्न जन समस्याओं को लेकर प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन से पहले समाजवादी पार्टी के विधायक विशम्भर सिंह यादव को पुलिस ने उनके आवास पर नजरबंद कर दिया।जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 8 बजे बबेरू कोतवाली पुलिस विधायक के आवास पहुंची और उन्हें बाहर जाने से रोक दिया। पुलिस ने मौके पर ही ज्ञापन लेने की बात कही, लेकिन विधायक ने कहा कि जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में सामूहिक रूप से जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा जाना था।

धरना-प्रदर्शन के माध्यम से महंगाई, बेरोजगारी, दलित, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं पर कथित अत्याचार, बिजली विभाग द्वारा लगाए गए स्मार्ट मीटर से बढ़े बिल, अघोषित बिजली कटौती, लो वोल्टेज, रसोई गैस की बढ़ती कीमतें, पेयजल संकट, पाइपलाइन मरम्मत, अतिक्रमण

में उजड़े पटरी दुकानदारों के पुनर्वास, पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था और किसानों की फसल की तत्काल खरीद जैसे मुद्दे उठाए जाने थे। बताया गया कि जिला अध्यक्ष को भी आवास में नज़र बंद किया गया, जबकि राष्ट्रीय महासचिव विशंभर प्रसाद निषाद के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट संदीप केला को सौंपा। विधायक ने उसी ज्ञापन का समर्थन किया। सपा के महासचिव विशंभर प्रसाद निषाद व विधायक विशम्भर सिंह यादव ने आरोप लगाया कि 'स्मार्ट मीटर के नाम पर गरीबों का शोषण हो रहा है और भ्रष्टाचार चरम पर है। किसान, मजदूर, व्यापारी और महिलाएं सभी परेशान हैं। यह सरकार जनविरोधी है और हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है। इस दौरान के.के. महंत, अखिलेश पाल, नरेंद्र यादव, अमन वर्मा, अभिषेक वर्मा, सुरेश यादव, हरीश पांडेय, चुन्नू सिंह, रामभवन, अनूप गुप्ता, रमेश यादव, राजकरण, अरविंद वर्मा और रामचंद्र यादव सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह की 24 करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क

झांसी। जिला प्रशासन ओर पुलिस प्रशासन ने शासन के निर्देशन में अपराध से अर्जित संपत्ति की जब्ती करण कि की जा रही कार्यवाही में गैंगस्टर एक्ट के तहत पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह की 24 करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क कर ली है। जानकारी के मुताबिक समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव के विरुद्ध हुई गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही में आज झांसी जिलाधिकारी के निर्देशन में एसएसपी, एसपी सिटी के नेतृत्व में झांसी पुलिस ने पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह की करगुवा, भगवन्तपुरा स्थित पांच स्थानों पर संपत्ति कुर्क कर ली है। पुलिस के मुताबिक यह संपत्ति अपराध से अर्जित की गई थी जिसके खिलाफ अभियान चलाकर यह कार्यवाही की गई है। अब तक पूर्व विधायक दीप नारायण की पांच सौ करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क कर ली गई है। पुलिस ने इस कार्यवाही के दौरान डुगडुगी पिटवा कर ढोल नगाड़े बजाकर यह कार्यवाही की है।

सड़क का किया भूमि पूजन

(यंग भारत न्यूज)

गुरसरांय। ग्राम शीला में मुख्य मार्ग से हनुमान जी महाराज मंदिर तक लगभग 227 मीटर लंबी सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि जितेंद्र पटेल द्वारा विधि-विधान से किया गया।

उन्होंने कहा कि इस सड़क के निर्माण से ग्रामवासियों एवं मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा वर्षों से चली आ रही समस्या का समाधान होगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जा रहे हैं। कार्यक्रम में डॉ. वेद प्रकाश पुजारी, बलराम गौतम, राकेश शर्मा, सुधीर पाठक, आदर्श शर्मा, जितेन्द्र

मिश्रा, राजीव शर्मा लखावती , रघुराज सिंह परिहार, विजय शर्मा, सौरभ पिपरा, निर्मल शर्मा, सौरभ, संतराम अहिरवार , पवन कुशवाहा, लक्ष्मण कुशवाहा, नरेंद्र अहिरवार, बहादुर मुखिया , मुकेश सेरिया, उमेश अहिरवार, लखन पांचाल, मकुंदी पाल, सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

डॉ आयुष तिवारी ने प्रथम श्रेणी पास की एम बी बी एस परीक्षा

नगरवासियों ने हर्ष व्यक्त किया

(यंग भारत न्यूज)

गुरसरांय। नगर के खेर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य धनप्रकाश तिवारी के पुत्र डॉ आयुष तिवारी ने एम बी बी एस प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण कर डॉक्टर की पढ़ाई पूरी की। बंगरा के ग्राम उल्दन निवासी डॉ आयुष तिवारी ने इण्टर मीडिएट की परीक्षा झांसी के अग्रणीय विद्यालय रानी लक्ष्मीबाई पब्लिक स्कूल से पास की।इसके बाद उन्होंने मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी जबलपुर से सम्बद्ध राजकीय मेडिकल कॉलेज विदिशा से पांच वर्षीय एम बी बी एस की पढ़ाई की। उन्होंने बताया कि उनके पिताजी पं धनप्रकाश तिवारी एवं माताजी श्रीमती अर्चना तिवारी धार्मिक भावना एवं पढ़ाई के लिए प्रेरित करतीं रहतीं है।उन्हीं के आशीर्वाद एवं गुरुजनों की कृपा से यह लक्ष्य पूरा कर पाया हूँ।

उनके पिताजी नगर के प्रतिष्ठित विद्यालय खेर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य है,तथा उनके दो ताऊ बैंक में शाखा प्रबंधक रहे।बचपन से ही शिक्षा का माहौल घर परिवार में मिला। उन्हीं सभी का आशीर्वाद एवं गुरुकृपा का परिणाम उनके जीवन मे है। आयुष तिवारी की उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष पं देवेश पालीवाल, प्रबंधक मनोहर राव नेवालकर, उप प्रबंधक पं बृजकिशोर व्यास,कोशाध्यक्ष सतीश चौरसिया, सुशील स्वामी,राकेश खरे, प्रवक्ता कैलाश प्रकाश गुप्ता,डॉ विवेक मुदगल, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि जितेंद्र पटेल, गोपाल अग्निहोत्री,राम लला पटेल,सरजू शरण पाठक,प्रांजल तिवारी,संजय दोन्देरिया,विनोद कुमार,सुधीर कुमार पाठक ,इंद्रभूषण द्विवेदी ,अमित भदौरिया, सुनील व्यास, राकेश व्यास,सौरभ अग्रवाल,प्रदीप सोनी,बशीर खान,पुष्पेन्द्र वर्मा,दुर्गा प्रसाद,शिवम गिरी,राम सेवक गौतम,कुलदीप कोदबलकर ,कौशलेश मिश्रा,प्रवीण सिरोही,अशोक आर्या, सहित नगरवासियों ने हर्ष व्यक्त किया।।

सांसद व विधायक सहित अन्य सपाइयों को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

(यंग भारत न्यूज)

बबेरू/बाँदा। बबेरू में स्मार्ट मीटर के विरोध में ज्ञापन देने जा रहे, सांसद व विधायक सहित अन्य सपाइयों को किया गया हॉउस अरेस्ट बबेरू कस्बे मे बुधवार को बबेरू विधायक बिशम्भर सिंह यादव व बाँदा चित्रकूट सांसद श्रीमती कृष्णा देवी, व पूर्व मंत्री शिवशंकर सिंह पटेल अन्य समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता व स्मार्ट मीटर, गैस की महंगाई, किसान की समस्या सहित अन्य समस्या को लेकर जिलाध्यक्ष के निर्देशन में जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन देने के लिये जा रहे थे, तभी भारी संख्या में पुलिस बल के साथ सभी के आवास में पहुंचकर बाँदा चित्रकूट सांसद कृष्णा देवी, बबेरू विधायक बिशम्भर सिंह यादव, पूर्व मंत्री शिवशंकर सिंह पटेल, जिला पंचायत सदस्य इंद्रजीत यादव सहित अन्य सपाइयों को हॉउस अरेस्ट कर लिया गया।, वही विधायक व सांसद एवं पूर्व मंत्री ने बताया कि हम जिलाध्यक्ष डॉक्टर मधुसूदन कुशवाहा के निर्देशन पर स्मार्ट मीटर के विरोध एवं अन्य जन समस्याओं को लेकर 9 सूत्रीय ज्ञापन राज्यपाल को सौंपने के लिए बांदा जाना था, लेकिन जैसे ही तैयार होकर हम निकालना चाहा तो भारी पुलिस बाल के साथ हमें हाउस अरेस्ट कर लिया गया, यह सरकार पूरी तरह से नाकाम है। स्मार्ट मीटर के नाम पर गरीब लोगों से वसूली कर रही है, महंगाई रुक नहीं रही, युवा बेरोजगार हैं, किसान मजदूर महंगाई से त्रस्त आ चुके हैं, लेकिन यह सरकार गरीबों के साथ अन्याय कर रही है. जी हम लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे। आने वाले 2027 के चुनाव में पूरी तैयारी के साथ उतरेंगे, इस भाजपा सरकार को हराकर रहेंगे, और हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718